सांध्य दैनिक

4PM

यदि मैं इस देश की सेवा करते हुए मर भी जाऊं, मुझे इसका गर्व होगा। मेरे खून की हर एक बूंद इस देश की तरक्की में और इसे मजबूत और गतिशील बनाने में योगदान देगी।
-इंदिरा गांधी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 9 • अंकः 218 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, गुरुवार, 14 सितम्बर, 2023

दिग्गजों को पछाड़कर दूसरे नंबर पर... 7 | आंध्र में चमकेगा नया सियासी... 3 | भाजपा का आचरण संविधान व... 2

कश्मीर आतंकी मुठभेड़ पर विपक्ष का मोदी सरकार पर हमला, कांग्रेस बोली

असंवेदनशील हो गए हैं पीएम मोदी

» नेशनल कांफ्रेंस ने मोदी सरकार को घेरा

» कश्मीर में कर्नल-मेजर और डीएसपी शहीद

» 3 साल में सबसे बड़ा आतंकी हमला, मुठभेड़ जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। कश्मीर में आतंकी मुठभेड़ में तीन अधिकारी शहीद हो गए हैं। इस बड़ी वारदात के बाद विपक्ष के निशाने पर मोदी सरकार आ गई है। कांग्रेस ने जहां इस घटना के समय पीएम नरेन्द्र मोदी द्वारा बीजेपी कार्यालय में हो रहे कार्यक्रम पर सवाल उठाते हुए इसे असंवेदनशील बताया है। वहीं नेशनल कांफ्रेंस ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है बाते तो बड़ी-बड़ी की गई कि आतंकवाद खत्म हो गया पर जो अनंतनाग में हुआ फिर वह क्या है। उधर बीजेपी ने इस दुख देने वाली घटना पर राजनीति करने पर विपक्षी नेताओं की आलोचना की है।

दरअसल, कश्मीर में पिछले 3 दिनों में आतंकियों के साथ एनकाउंटर में आर्मी और पुलिस के 3 अफसर शहीद हो गए। एक अन्य जवान लापता है। दरअसल, अनंतनाग जिले के गाडोल में 3 से 4 आतंकियों की मौजूदगी की सूचना के बाद सेना और पुलिस ने मंगलवार शाम संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया था। रात होने पर ऑपरेशन रोक दिया गया था।13 सितंबर यानी बुधवार सुबह जब दोबारा तलाश शुरू की गई, तो आतंकियों ने घने जंगल में घात लगाकर घेराबंदी की और हमला किया। उन्होंने अंधाधुंध फायरिंग की। इसके चलते 19 राष्ट्रीय राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धौंचक और जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीएसपी हुमायूं भट शहीद हो गए। मनप्रीत मोहाली के और मेजर आशीष पानीपत और भट कश्मीर के बडगाम के रहने वाले थे। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े प्रतिबंधित रेजिस्टेंट फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली है। अनंतनाग एनकाउंटर में शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धौंचक के शव श्रीनगर में सेना के 92 बेस अस्पताल लाए गए हैं।पुलिस के मुताबिक अनंतनाग में लश्कर के 2 आतंकी छिपे हैं, जिन्हें सेना ने घेर लिया है। इनमें से एक नागम कोकरनाग का रहने वाला उजैर खान है। जो पिछले साल जुलाई में लश्कर से जुड़ा था।

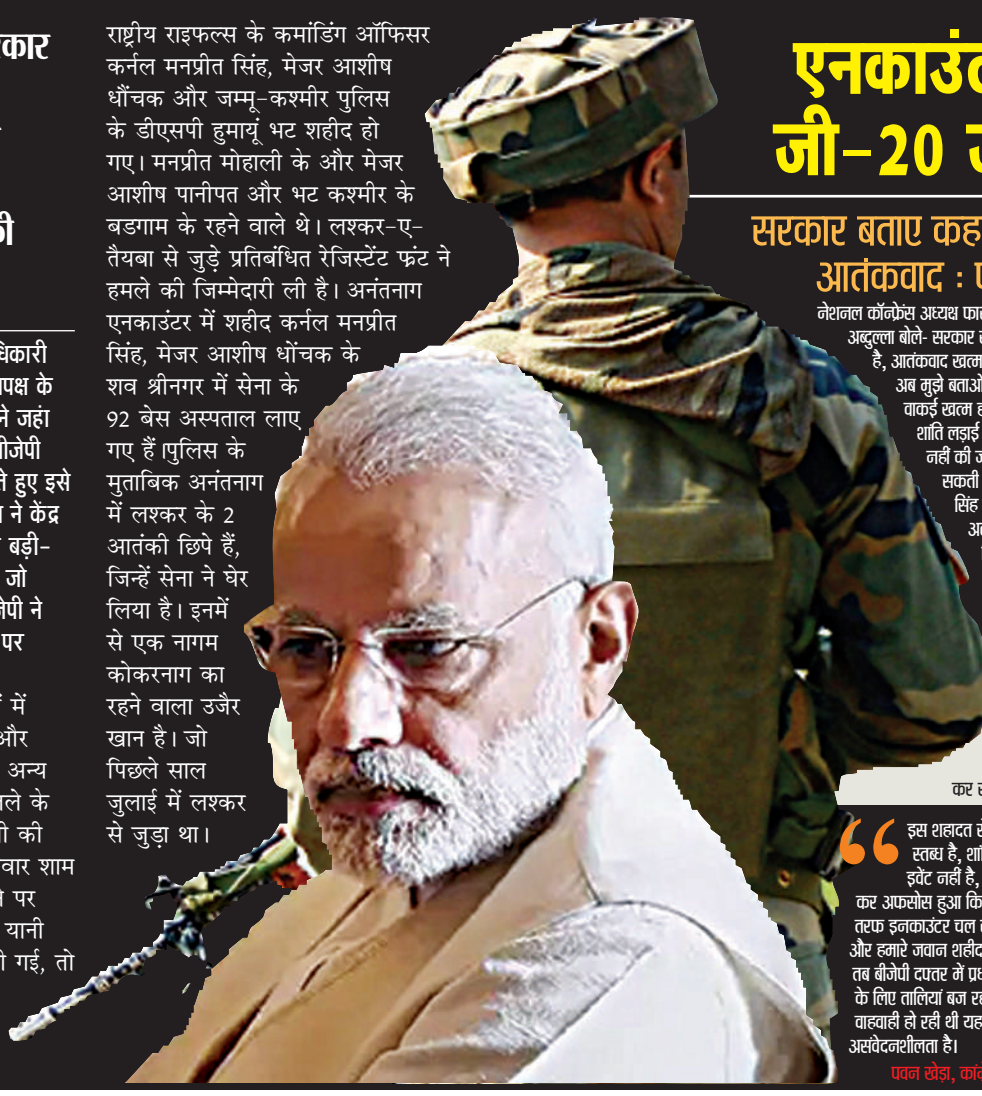

एनकाउंटर के वक्त भाजपा के जी-20 जश्न पर उठाया सवाल

सरकार बताए कहां खत्म हुआ आतंकवाद : फारूक

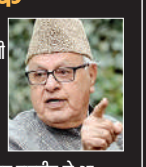

नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला बोले- सरकार रोज चिल्लाती है, आतंकवाद खत्म हो गया। अब मुझे बताओ, क्या वाकई खत्म हो गया? शांति लड़ाई से हासिल नहीं की जा सकती, यह बातचीत से आ सकती है। वहीं केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने कहा- जब तक पाकिस्तान को अलग-थलग नहीं करेंगे, वे सोचेंगे कि सब नॉर्मल है। बॉलीवुड वाले आ जाएंगे, क्रिकेट खेलने वाले आ जाएंगे। अगर उस पर दबाव डालना है तो उसे अलग-थलग करना होगा।

जम्मू-कश्मीर में हालात ठीक नहीं : राउत

शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) सांसद संजय राउत ने कहा, जिस तरह से आतंकी घटनाएं हो रही है उससे ये साफ होता है कि जम्मू-कश्मीर में हालात ठीक नहीं हैं, जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार होनी चाहिए, जिस समय पीएम के ऊपर फूल बरसाए जा रहे थे उस समय आतंकी हमारे जवानों पर गोलियां बरसा रहे थे , क्या यह सब देखकर दुख नहीं होता? आपकी तरफ से कोई बयान तक नहीं आया है। ये हमेशा होता है जब भी जम्मू-कश्मीर में इस प्रकार का टेररिस्ट अटैक होता है तो प्रधानमंत्री एक तो किसी जिम कॉर्बेट जैसे जंगल में शूटिंग करते हुए दिखते हैं या किसी प्रकार का उत्सव मनाते हुए दिखते हैं या किसी रोड सभा में दिखते हैं।

राजनीति करना उचित नहीं : चुघ

जम्मू कश्मीर में बीजेपी नेता

तरुण चुघ कहा है की यह दुःखद घड़ी है और पूरा देश शहीद हुए जवानों के परिवार वालो के साथ संवेदना रखता है, वह उनके साथ खड़ा है, जो लोग आज भी इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं उनको बाहर आना चाहिए, इस तरह की मानसिकता से निकलना चाहिए।

“ इस शहादत से देश स्तब्ध है, शांति कोई इवेंट नहीं है, यह देख कर अफसोस हुआ कि जब एक तरफ इनकाउंटर चल रहा था और हमारे जवान शहीद हो रहे थे तब बीजेपी दफ्तर में प्रधानमंत्री के लिए तालियां बज रही थी और वाहवाही हो रही थी यह असंवेदनशीलता है।

पवन खेड़ा, कांग्रेस प्रवक्ता

लड़ाई करने से अमन नहीं आता : उमर

जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने अनंतनाग एनकाउंटर को लेकर कहा है कि कश्मीर से एनकाउंटर कभी भी खत्म नहीं होगा। उन्होंने कहा, अब तो रोज हमले हो रहे है, ये कौन कहता है कि आतंकवाद खत्म हो गया है, ये कभी खत्म नहीं होगा, लड़ाई करने से अमन नहीं आता है, मसला हल करने के लिए बातचीत किए जाने की जरूरत है, ये जो हो रहा है इससे लोगों को उल्लू बनाया जा रहा है, भारत आने वाले ये आतंकी पूरी तरह से ट्रेन्ड आतंकी हैं।

दोषी नेताओं के चुनाव लड़ने पर आजीवन रोक लगे : एमिकस क्यूरी

» हंसारिया ने सुप्रीम कोर्ट में सौंपी रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दोषी नेताओं के आजीवन चुनाव लड़ने पर रोक लगाने की याचिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त एमिकस क्यूरी विजय हंसारिया ने सुप्रीम कोर्ट ने अपनी 19वीं रिपोर्ट दाखिल की। एमिकस क्यूरी ने रिपोर्ट में इस बात का समर्थन करते हुए कहा कि अगर कोई नेता दोषी है तो उसके चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाया जाए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दोषी नेताओं पर 6 साल के बैन के बजाए आजीवन प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। एमिकस क्यूरी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि केन्द्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003 और लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 के तहत दोषी ठहराए जाने के बाद स्थायी अयोग्यता धारण करने से हटाने का प्रावधान है, धारा 8 के तहत अपराध को गंभीरता और गंभीरता के आधार पर वर्गीकृत किया गया है, - लेकिन सभी मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद अयोग्यता सिर्फ केवल 6 साल की अवधि के लिए है।

सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों का डेटा रियल टाइम होगा अपलोड

» सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा- इससे पारदर्शिता और जवाबदेही आएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एतिहासिक पहल करते हुए सभी लंबित मामलों के डेटा को नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड (एनजेडीजी) पर अपलोड करने का फैसला लिया है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट अब तक एनजेडीजी के दायरे से बाहर था। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने इसकी शुरुआत की है।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने इसका ऐलान करते हुए कहा कि यह पारदर्शिता और जवाबदेही लाने के लिए है। 80,000 मामले लंबित हैं,15,000 अभी तक पंजीकृत नहीं हैं इसलिए वे अभी तक लंबित नहीं हैं, हमारे पास अब ग्राफ हैं, जुलाई में 5000 से अधिक मामलों को निपटाया गया था। हमारे पास मामले के प्रकार और लंबितता के अनुसार वितरण है। सीजेआई ने कहा कि 3 न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष 583 मामले लंबित हैं और मैं जल्द ही उन पीठों का गठन करूंगा। हमारे पास सिविल और आपराधिक दोनों तरह के मामलों से डेटा हैं, साल 2000 से पहले लगभग 100 से भी कम मामले हैं, इसलिए यह सभी सबसे पुराने मामलों को निपटाने के लिए एक डेटाबेस देता है, 3 जज 538 मामले हैं,मैं विशेष पीठ गठित करने की तैयारी कर रहा हूं। एनजेडीजी पोर्टल पर मामले दाखिल होने और निपटारे पर हर माह और वर्षवार डेटा होगा। सीजेआई ने कहा कि हम उच्च न्यायालयों और जिला अदालतों के लिए जो कर रहे हैं, वही सुप्रीम कोर्ट के लिए भी किया जाना चाहिए।

भाजपा का आचरण संविधान व लोकतंत्र विरोधी : अखिलेश

» बोले- आजम ईमानदार, पूरी सपा पार्टी उनके साथ खड़ी

» भाजपाई याद रखें तानाशाहों के अहंकार का अंत अवश्य होता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आजम खान पर आयकर छापों को लेकर कहा कि भाजपा सरकार विपक्षी एकजुटता और इंडिया गठबंधन से डरी हुई है। घोसी विधानसभा उपचुनाव की करारी हार से पूरी भाजपा और बौखला गयी है। पूर्व सीएम ने कहा कि सरकार जितनी कमजोर होगी, विपक्ष पर छापे उतने ही बढ़ते जाएंगे। उन्होंने कहा कि मोहम्मद आजम खां सच की आवाज हैं। उन्होंने बच्चों के बेहतर भविष्य की नींव रखी।

शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय बनाया। आज पूरी समाजवादी पार्टी उनकी आवाज के साथ खड़ी है। भाजपा सरकार केन्द्रीय संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार का आचरण संविधान विरोधी और लोकतंत्र विरोधी है। भाजपा सरकार विरोधी दलों के नेताओं के खिलाफ लगातार बदले की भावना से काम कर रही है। इससे पहले भी भाजपा ने आजम खान पर फर्जी मुकदमे लगाए थे। अखिलेश ने सरकार तानाशाही और केन्द्रीय एजेंसियों का दुरूपयोग बंद करने की नसीहत देते हुए कहा कि भाजपाई याद रखें कि तानाशाहों के अहंकार का अंत अवश्य होता है।

बोले- मैं तो फकीर आदमी, मेरे यहां क्या मिलेगा

जानबूझकर परेशान किया जा रहा : आजम खां

लखनऊ। सपा वरिष्ठ आजम नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां ने कहा है उन्हें जान बूझकर परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैं तो फकीर आदमी हूं, मेरे यहां कुछ नहीं मिलेगा। दरअसल , जब आयकर के अधिकारी आजम के घर पहुंचे तो आजम ने उन्हें अपना परिचय दिया कि मैं तो फकीर आदमी हूं, मेरे यहां आपको क्या मिलेगा। पूरी दुनिया में मेरा सिर्फ एक बैंक खाता है। मैंने चंदा मांगकर यूनिवर्सिटी बनाई है। बच्चों के हाथ में कलम देने का काम किया है। कार्रवाई के वक्त तजीन व अब्दुल्ला घर पर थे। कार्रवाई के दौरान आजम की तबीयत बिगड़ गई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे आराम करने जा रहे हैं उनको जो भी जांच करना है वो कर लें। तजीन की तबीयत भी पहले से खराब चल रही है। आजम के आराम करने चले जाने की वजह से जांच तेजी से नहीं हुई। छह माह पूर्व आयकर विभाग ने आजम, उनकी पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम के चुनावी हलफनामों की फिर से जांच शुरू की थी। दरअसल, आजम और उनके बेटे द्वारा विधानसभा चुनाव के दौरान दाखिल किए गए आय संबंधित हलफनामों में कई गड़बड़ियां मिली थीं। तंजीन के बैंक खातों में भी तमाम गड़बड़ियां जांच में सामने आई थीं। आयकर विभाग और ईडी करीब तीन साल से आजम, उनके परिजनों और जौहर ट्रस्ट की गहनता से पड़ताल कर रहे हैं। रामपुर के वर्तमान विधायक आकाश सक्सेना भी इस बाबत चुनाव आयोग और आयकर विभाग में शिकायत कर चुके हैं।

भाजपा के शीर्ष नेताओं से मिले दारा सिंह चौहान

» अमित शाह व सुनील बंसल से भी मिलेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। घोसी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में हार के बाद भाजपा नेता दारा सिंह चौहान दिल्ली पहुंच गए हैं। जहां उन्होंने पार्टी के महामंत्री संगठन बीएल संतोष और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की है। बताया जा रहा है कि वह गृह मंत्री अमित शाह और सुनील बंसल से भी मुलाकात करेंगे। ऐसा कहा जा रहा है कि इन मुलाकातों के बाद ही दारा सिंह के सियासी भविष्य पर निर्णय लिया जाएगा। उपचुनाव के पहले तक कयास लगाए जा रहे थे कि उन्हें योगी मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है पर चुनाव में हार के बाद अभी इस पर निर्णय नहीं हुआ है।

हालांकि, भाजपा के अन्य सहयोगी दल सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर कह चुके हैं वह खुद और दारा सिंह मंत्री जरूर बनेंगे। दारा सिंह चौहान करीब 42 हजार वोटों से सपा प्रत्याशी सुधाकर सिंह से चुनाव हारे हैं। उपचुनाव में वह अपने समुदाय का वोट भी पूरी तरह नहीं प्राप्त कर सके। घोसी सीट का उपचुनाव राजभर और दारा सिंह के लिए एक कड़ी परीक्षा माना जा रहा था पर इसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा है जिसके बाद से भाजपा के सहयोगी दलों के नेता राजभर और डॉ. संजय निषाद की लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा से अपनी शर्तें मनवाने की क्षमता कम हो गई है।

विपक्ष अगर मोदी नाम रख लेगा तो अपना नाम बदल देंगे पीएम : राघव

» जनता को गुमराह कर रहे हैं प्रधानमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया ने 2024 के संसदीय चुनावों के लिए कमर कस ली है। सभी दल मिलकर गठबंधन को मजबूती देने में लगे हैं। सबकी कोशिश एकजुट होकर भाजपा को आगामी चुनावों में शिकस्त देने की है। इसी संदर्भ में आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने कहा वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडिया नाम से बहुत ही प्यार रहा है। सत्ता हासिल करने के बाद से लेकर इंडिया गठबंधन बनने तक अपनी कई योजनाओं को इंडिया नाम से जोड़ा।

इन योजनाओं को प्रचारित करने की भी कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन विपक्षी दलों के अपने गठबंधन का नाम इंडिया रख लेने पर वह घबरा गए हैं और अब उनको इंडिया नाम से नफरत हो गई है। अगर हम अपने गठबंधन का नाम बदलकर मोदी कर देंगे तो क्या वह अपने नाम से अपना सरनेम हटा लेंगे। प्रधानमंत्री व भाजपा इंडिया गठबंधन से ध्यान हटाने व जनता को गुमराह करने में जुटे हैं। देश में 1977 जैसे हालात हैं।

घोसी में कांग्रेस ने दिखाया बड़ा दिल : अजय

» सपा को दी नसीहत- इस भ्रम में न रहें कि अपने दम पर जीते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। घोसी विधानसभा उपचुनाव के बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय के बयान के बाद यूपी में सियासी चर्चाएं जो मागने लगी हैं। ज्ञात हो कि इस उपचुनाव के परिणाम के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि घोसी में कांग्रेस ने सपा उम्मीदवार को जीताया, लेकिन उत्तराखंड के बगेश्वर में सपा ने उम्मीदवार उतार कर कांग्रेस उम्मीदवार को हराने का काम किया है। एक तरह से सपा ने वहां भाजपा की मदद की।

अजय राय ने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की कथनी और करनी में अंतर है। उनका दोहरा चरित्र है। इतना ही नहीं, उन्होंने ललकारते हुए कहा कि घोसी जीतने वाले इस भ्रम में न रहें कि उन्होंने अपने दम पर यह सीट जीती है। बल्कि सपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित कराने में कांग्रेस की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दिल बड़ा दिखाया। पार्टी के तमाम नेता दिन रात एक करके सपा उम्मीदवार को जिताने में जुटे रहे, लेकिन हमेशा दिल बड़ा करने की नसीहत देने वाले सपा अध्यक्ष ने बागेश्वर में मदद नहीं की। अगर सपा साथ देती तो वहां कांग्रेस प्रत्याशी का जीतना तय था। बागेश्वर में सपा का कोई अस्तित्व नहीं है। बावजूद इसके उन्होंने प्रत्याशी उतारा और किसी न किसी रूप में भाजपा की मदद की। बागेश्वर में कांग्रेस के बसंत कुमार को भाजपा प्रत्याशी पार्वती ने 2402 वोट से हराया है, जबकि सपा को 637 वोट मिले। यदि सपा समर्थन देती को एकजुटता का संदेश जाता और कांग्रेस उम्मीदवार का जीतना तय था।

कांग्रेस ने नहीं मांगा समर्थन : चौधरी

सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि अब उलाहना देने का कोई मतलब नहीं है। कांग्रेस के किसी नेता ने अखिलेश यादव बात नहीं की। घोसी में सपा ने कांग्रेस से समर्थन मांगा था।

संसद में उठाएंगे हिमाचल आपदा का मुद्दा : प्रियंका

» बोलीं- राष्ट्रीय आपदा पर न हो राजनीति, केंद्र करे पूरी मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। भारी बारिश-भूस्खलन से अत्यधिक नुकसान को देखते हुए कांग्रेस संसद के विशेष सत्र में हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का मामला उठाएगी। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने राजधानी शिमला के आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा करने के दौरान यह बात कही।

प्रियंका ने कहा कि प्रदेश की ओर से इस मुद्दे को पार्टी की सांसद एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह तो उठाएंगी ही, साथ में कांग्रेस के अन्य सांसद भी हिमाचल प्रदेश के हित में अपनी आवाज बुलंद करेंगे। प्रियंका ने कहा कि प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार को प्रदेश की मदद करनी चाहिए। यह आपदा का समय है, इस समय राजनीति नहीं होनी चाहिए। केंद्र सरकार यह न देखे कि हिमाचल में किसकी सरकार है। इसे यदि राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए तो प्रदेश की मदद हो सकती है। प्रदेश सरकार की भावना अच्छी है और प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद की जा रही है। प्रदेश में नेशनल हाईवे बहाल करने समेत कई काम ऐसे हैं जो केंद्र सरकार के अधीन हैं। ऐसे में केंद्र को प्रदेश की मदद करनी चाहिए। प्रियंका ने कहा कि प्रदेश में बाढ़ और भूस्खलन से कई लोगों के घर ढह गए हैं। मनाली में भी उन्होंने नुकसान देखा है। यह ऐसा मौका है जब सबको मिलकर इस आपदा का सामना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बारिश से प्रदेश में बहुत अधिक नुकसान हुआ है। प्रियंका ने बुधवार सुबह मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के साथ समरहिल, कृष्णानगर और कनलोग में भारी बारिश से हुए नुकसान का जायजा लिया।

मृतकों के परिजन से मिल भावुक हुईं प्रियंका

प्रियंका सुबह सबसे पहले समरहिल वार्ड के शिव बावड़ी मंदिर क्षेत्र पहुंचीं। यहां 14 अगस्त को भूस्खलन में 20 लोगों ने जान गंवा दी थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि पहाड़ी के ऊपर से हुए भूस्खलन में रेलवे ट्रैक समेत शिव मंदिर क्षेत्र पूरी तरह ध्वस्त हो गया था। वार्ड पार्षद वीरेंद्र ठाकुर ने प्रियंका को बताया कि सावन के सोमवार के चलते मंदिर में सुबह से ही आसपास के लोगों की भीड़ थी। भारी बारिश के बीच अचानक इतना भूस्खलन हुआ कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। प्रियंका ने मृतकों के परिजनों से भी बात की और उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान मृतकों के परिजन भावुक भी हो गए। प्रियंका ने इसके बाद कृष्णानगर और कनलोग-बैम्लोई सड़क को हुए नुकसान का भी जायजा लिया।

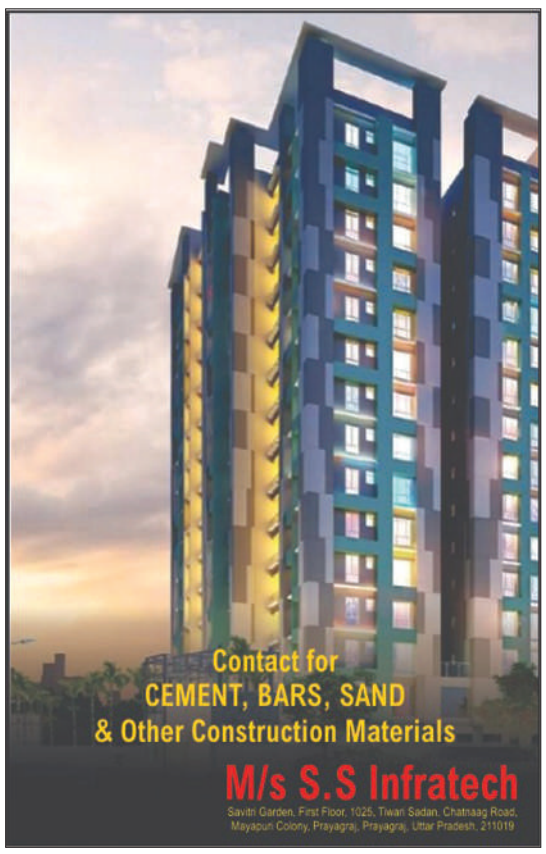

आंध्र में चमकेगा नया सियासी सूरज!

चंद्रबाबू की गिरफ्तारी से टीडीपी असहज

- भाजपा व कांग्रेस को पैठ बढ़ाने का मौका
- जगन मोहन रेड्डी को मिलेगी कड़ी चुनौती
- नायडू के बेटे नारा को आगे बढ़ाने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। दक्षिण से आजकल पूरे भारत में सियासत की नई-नई खबरें आ रही हैं। इस तरह की खबरों से उत्तर भारत भी प्रभावित हो रहा है। पहली खबर तमिलनाडु से आई जब वहां की सत्तारुढ़ डीएमके नेताओं ने सनातन धर्म को लेकर विवादास्पद टिप्पणी की और पूरे देश में राजनीतिक भूचाल आ गया। बीजेपी ने इस बयान के बाद कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के सभी दलों पर जमकर हमला बोला। हालांकि ये विवाद अब ऐसा लगता है थमेंगे नहीं ऐसा इसलिए कि पार्टियां 2024 के लोक सभा चुनाव तक इन मुद्दों को उठाए रखना चाहती हैं ताकि उसका राजनैतिक लाभ हासिल किया जा सके। वहीं दूसरी महत्वपूर्ण खबर आंध्रप्रदेश से आई जहां जगन मोहनरेड्डी ने वहां के दिग्गज नेता चंद्रबाबू नायडू को तथाकथित भ्रष्टार के मामले में सीआईडी से गिरफ्तार करवा कर राज्य की व देश की राजनीति में नया सवाल पैदा कर दिया। राजैतिक विशलेषकों का मानना है तमिलनाडु में डीएमके द्वारा बार-बार सनानत पर हमला करना उनकी सोचीसमझी रणनीति का हिस्सा है।

असल में भाजपा जयललिता की पार्टी के साथ मिलकर राज्य में धीरे-धीरे अपना जनताधार बढ़ा रही है। अन्नामलाई व तेजस्वी सूर्या जैसे दक्षिण भारत के युवा नेताओं के दम पर वह वहां कि क्षेत्रीय पार्टियों को टक्कर दे रही है। ऐसे में इन राज्यों की इन पुरानी पार्टियों की मजबूरी है कि वह द्रविड़ राजनीति को सनातन के नाम कमजोर नहीं होने देना चाहती हैं। खैर इन सब सियासी तिकड़मों का किसको कितना लाभ मिलेगा ये तो जनता तय करेगी और इसके परिणाम क्या होते हैं ये 24 के लोक सभा चुनाव के नतीजे आने के बाद ही पता चल पाएंगे तब तक सियासत जारी रहेगी। दावा किया जा रहा है कि आंध्र प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए आए पैसे की कथित तौर पर हेराफेरी कर ली गई। फिलहाल नायडू करोड़ों रुपये के कथित घोटाला मामले में 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में हैं। 371 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार मामले में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी का समय महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह चुनाव से कुछ महीने पहले हुआ है। उनकी पार्टी, तेलुगु देशम पार्टी के अन्य शीर्ष नेता भी आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम से जुड़े कथित घोटाले में आरोपी हैं, जिसे तब स्थापित किया गया था जब नायडू की पार्टी सत्ता में थी और वह मुख्यमंत्री थे। मामले की जांच कर रही सीआईडी ??ने संकेत दिया है कि नायडू के बेटे और टीडीपी महासचिव नारा लोकेश की भूमिका की भी जांच की जा रही है। दावा किया जा रहा है कि आंध्र प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए आए पैसे की कथित तौर पर हेराफेरी कर ली गई। फिलहाल नायडू करोड़ों रुपये के कथित घोटाला मामले में न्यायिक हिरासत में हैं।

40 साल से अधिक के करियर में यह पहली बार है कि नायडू को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी 2024 के लोकसभा चुनावों और विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले हुई है जब राजनीतिक तापमान बढ़ रहा है और ऐसे समय में जब टीडीपी राज्य में सत्ता में लौटने के लिए संघर्ष कर रही है, जबकि नायडू के बेटे नारा लोकेश को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है। नारा लोकेश, जो पार्टी के भावी नेता के रूप में राज्यव्यापी पदयात्रा पर हैं। यह देखते हुए कि राज्य और राष्ट्रीय दोनों चुनाव अगले साल अप्रैल-मई में होने वाले हैं, यह अनुमान लगाया गया है कि नायडू के लिए कथित जनता की सहानुभूति अल्पकालिक हो सकती है। वहीं, विश्लेषकों का यह भी कहना है कि यह घटनाक्रम नायडू के समर्थकों द्वारा पेश की गई पार्टी की साफ-सुथरी छवि पर असर डाल सकता है। गिरफ्तारी से पार्टी की छवि खराब हो सकती है। कोई भी न्यायिक प्रक्रिया से परे नहीं है। हर अनियमितता की जांच की जानी चाहिए और उसे ठीक किया जाना चाहिए। अगर जगन (सीएम जगन मोहन रेड्डी) नायडू को ठीक करना चाहते हैं, तो भी वह केंद्र के सहयोग के बिना ऐसा नहीं कर सकते।

चंद्रबाबू की भावनात्मक अपील व सक्रियता से डरे जगन

विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी की हार के बाद, नायडू ने कुरनूल में एक भावनात्मक रैली में घोषणा की थी कि अगर टीडीपी सत्ता में नहीं आई तो 2024 का चुनाव उनका आखिरी चुनाव होगा। तब से, नायडू ने सार्वजनिक बैठकें और रोड शो आयोजित किए हैं, जिनमें अक्सर बड़ी भीड़ जुटती है। इन सभाओं के परिणामस्वरूप अक्सर जगन छोड़ो, एपी बचाओ का नारा लगाया जाता था, जो वर्तमान सरकार की नीतियों की आलोचना करता था। वहीं टीडीपी का कहना है कि चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी और उसके बाद उनकी न्यायिक हिरासत तेलुगु देशम पार्टी के लिए सिर्फ एक 'गति अवरोधक' है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार चंद्रबाबू के खून में नहीं है। वह देश की जानी-मानी हस्ती हैं। जगन (आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री) ने जानबूझकर पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू को झूठे आरोपों में जेल में डाल दिया। बड़ी बात यह है कि यह घटनाक्रम संभावित रूप से अगले राज्य चुनावों से पहले पार्टियों के साथ गठबंधन करने के लिए चल रही किसी भी बातचीत पर प्रभाव डाल सकता है। यह तब हुआ है जब टीडीपी और भाजपा के बीच गठबंधन की अटकलें लग रही थी।

चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी पर भड़के थे अखिलेश यादव

तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम एन चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है। सपा अध्यक्ष ने विपक्षी दलों को नेताओं को इस तरह से गिरफ्तार किए जाने पर नाराजगी जाहिर की और इसे लोकतंत्र के लिए गलत परंपरा बताया है, सपा नेता ने कहा कि विपक्ष के जो नेता साथ नहीं आ रहे हैं, उन्हें जेल में डालने का अब चलन शुरू हो गया है, ये खतरनाक है जो आने वाले समय में उन पर भी भारी पड़ सकता है। टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, विपक्ष के नेताओं को गिरफ्तार करने का चलन अब केंद्र से लेकर राज्यों तक प्रचलन बन गया है, जो सत्ता के साथ नहीं आ रहा है उसे जेल में डाल दो, ये निरंकुश शासकों की नीति होती थी, लोकतंत्र में इसके लिए कोई स्थान नहीं है, भाजपाई और उनके अवसरवादी मित्र याद रखें कि राजनीतिक व्यवहार में ऐसा विचलन कल को खुद उन पर भी भारी पड़ सकता है. खुदगर्ज़ भाजपा किसी की सियासी दोस्त नहीं है!

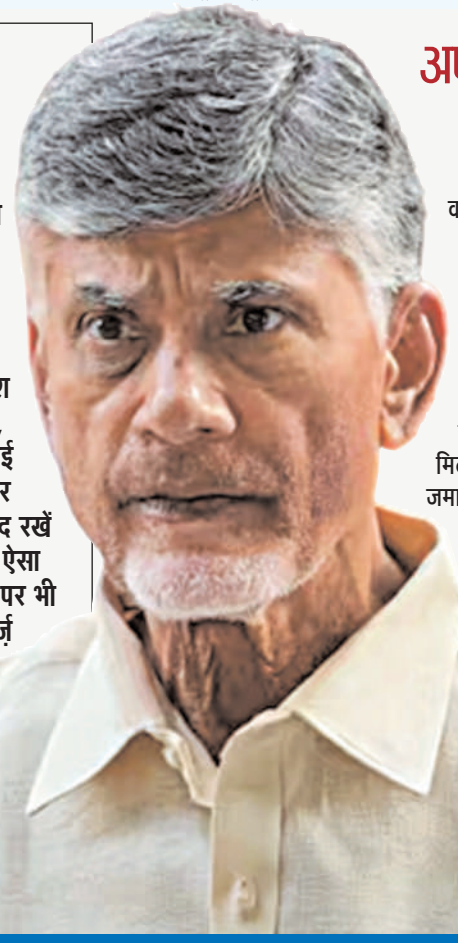

अपने वोटों को नहीं बिखरने देगी वाईएसआरकांग्रेस

सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी पार्टी ने 2019 के विधानसभा चुनावों में कुल 175 सीटों में से 151 सीटों पर कब्जा कर लिया था, जबकि टीडीपी को केवल 23 सीटें मिली थीं। 2019 के चुनाव में, कुप्पम में नायडू का वोट प्रतिशत पहली बार 60 प्रतिशत से नीचे गिरकर 55.18 प्रतिशत हो गया, कुछ वोट जेएसपी और भाजपा उम्मीदवारों के बीच विभाजित हो गए, जबकि वाईएसआरसीपी केके चंद्रमौली को 38 प्रतिशत वोट मिले। दूसरी ओर, वाईएसआरसीपी राज्य में गहरी जड़ें जमा चुकी है, सीएम ने अपनी पार्टी को टीडीपी को खत्म करने के लक्ष्य के साथ 2024 के चुनावों में नायडू को उनके ही कुप्पम निर्वाचन क्षेत्र में हराने का निर्देश दिया है। सीएम आगामी 2024 चुनाव में नायडू को उनके ही कुप्पम निर्वाचन क्षेत्र में हराने और टीडीपी को नष्ट करने के बारे में मुखर रहे हैं।

कांग्रेस से शुरू किया था नायडू ने राजनीति का सफर

नायडू, जिन्होंने अपना राजनीतिक करियर कांग्रेस से शुरू किया, बाद में 1980 के दशक की शुरुआत में टीडीपी के सत्ता में आने के बाद उसमें शामिल हो गए, जब उनके ससुर और लोकप्रिय अभिनेता एन टी रामाराव मुख्यमंत्री बने। उन्होंने 1990 के दशक की शुरुआत तक पार्टी और सरकार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1995 में, नायडू ने एक राजनीतिक तख्तापलट में एनटीआर सरकार को अपदस्थ कर दिया और असंतुष्ट विधायकों के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए। नायडू ने 1999 में चुनाव जीता। 2004 के बाद के चुनावों में, नायडू कांग्रेस से हार गए। उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी वाई एस राजशेखर रेड्डी सीएम बने। 2014 में आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद, जगन नायडू के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभरे। जबकि टीडीपी 2014 के चुनावों में बहुमत हासिल करने में कामयाब रही और एनडीए पार्टनर के रूप में सरकार बनाई, बाद में नायडू का बीजेपी से झगड़ा हो गया और उन्होंने कांग्रेस और टीएमसी जैसे विपक्षी दलों से हाथ मिला लिया।

टीडीपी कार्यकर्ताओं की जूनियर एनटीआर से उम्मीद बढ़ी

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी तेलुगु राज्यों में चर्चा का विषय बन गया है। राजनीतिक नेताओं से लेकर आम लोग तक चंद्रबाबू के जेल जाने की चर्चा कर रहे हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि अगर ऐसा हुआ तो तेलुगु देशम पार्टी का क्या होगा? कौन उसकी बांगडोर संभालेगा। इस बीच फैंस की डिमांड है कि जूनियर एनटीआर को टीडीपी (तेलगूदेशम) में शामिल होना चाहिए। दरअसल चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के बाद टीडीपी में फूट पड़ने की अटकलों के बीच वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता जश्न मना रहे हैं! उनकी माने तो ये तो सिर्फ एक नमूना है। वाईसीपी नेता भविष्यवाणी कर रहे हैं कि चंद्रबाबू नायडू को पूरी जिंदगी जेल में गुजारनी पड़ेगी। ऐसा कहा जा रहा है कि यदि मामले को बढ़ाया गया तो यह लंबा खींच सकता है। वाईसीपी नेता जिस तरह से बात कर रहे हैं, उसे देखकर कोई भी यह महसूस किए बिना नहीं रह सकता कि कुछ और होने वाला है। आंध्र प्रदेश की सीआईडी ने कौशल विकास घोटाले में चंद्रबाबू नायडू का नाम शामिल किया था। उनके बेटे नारा लोकेश का नाम भी रिमांड रिपोर्ट में शामिल किया गया। भले ही 2021 में दर्ज एफआईआर में चंद्रबाबू का नाम शामिल नहीं था, लेकिन उन्हें गिरफ्तार करने वाली सीआईडी अफवाह फैला रही है कि नारा लोकेश को भी किसी मामले में गिरफ्तार किया जाएगा। यदि ऐसा होता है तो टीडीपी के पास मार्गदर्शन के लिए कोई नेतृत्व नहीं होगा। अगर नारा लोकेश को भी गिरफ्तार किया जाता है तो सवाल उठता है कि टीडीपी को कौन आगे बढ़ाएगा? एक तरफ जहां ये कैंपेन चल रहा है कि नारा ब्राह्मणी राजनीति में आएंगी तो वहीं दूसरी तरफ फैंस चाहते हैं कि जूनियर एनटीआर टीडीपी में एंट्री करें। चंद्रबाबू की गिरफ्तारी के बाद...उनके प्रशंसक चाहते हैं कि पार्टी को बचाने के लिए जूनियर एनटीआर टीडीपी में शामिल हों।

जूनियर एनटीआर की चुप्पी, नारा ब्राहमणी पर रहेगी नजर

हाल ही में सीनियर एनटीआर स्मारक सिक्का जारी कार्यक्रम से दूर रहे जूनियर एनटीआर ने चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी पर कोई प्रतिक्रि या नहीं दी। अब उनसे टीडीपी में शामिल होने, वाईसीपी के खिलाफ लड़ने और पार्टी की जीत की जिम्मेदारी उठाने की उम्मीद करना जरूरी होगा। अब तक जूनियर एनटीआर ने जगन सरकार के खिलाफ कुछ नहीं बोला है। दरअसल कई बार तेलुगु देशम पार्टी को लेकर एनटीआर की प्रतिक्रिया से कुछ विवाद भी पैदा हुए हैं। इन अनुभवों को ध्यान में रखते हुए जूनियर एनटीआर चंद्रबाबू की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देने की संभावना नहीं है। फिलहाल एनटीआर फिल्म देवारा में व्यस्त हैं। इस फिल्म के बाद वह दो और क्रेजी प्रोजेक्ट्स में काम करने जा रहे हैं। आरआरआर फिल्म से ग्लोबल हीरो बन गए। ऐसा लगता है कि जूनियर एनटीआर ऐसे समय में राजनीति में आने के बारे में सोच भी नहीं रहे हैं। उधर, बड़ा सवाल यह है कि अगर जूनियर एनटीआर की ओर से कोई जवाब नहीं आता है तो क्या होगा? यदि ऐसी स्थिति आती है कि चंद्रबाबू और लोकेश दोनों को जेल जाना पड़ता है, तो नारा ब्राह्मणी के सीधे राजनीति में प्रवेश करने की संभावना अधिक है। वह पहले से ही व्यवसायों को प्रभावी ढंग से संभालती आ रही हैं। ऐसे में उनके राजनीति में और बेहतर सफलता हासिल करने की संभावना है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

दिल्ली को हांफने से बचाने की जिम्मेदारी सभी की

दिल्ली के सीएम ने लोगों से दिवाली में पटाखें न जलाने की अपील की है। इसपर प्रतिबंध भी लगा दिए गए हैं। इसी के साथ अन्य राज्यों से भी निवेदन किया गया है कि फसलों की पराली न जलाएं क्योंकि उन राज्यों से आने वाला धुआं दिल्ली के प्रदूषण को दमघोटु बना देता है। उम्मीद की जानी चाहिए लोग अपनी जिम्मेदारी समझेंगे और प्रदूषण से अपने शहर को बचाने के लिए भरसक प्रयास करेंगे।

दिल्ली में एकबार फिर प्रदूषण को लेकर हाय-हाय मचने वाली है। पर्यावरण विषेषज्ञों का मानना है कि इस बार जाड़े में प्रदूषण की मात्रा बढ़ सकती है। इसी के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। दिल्ली के सीएम ने लोगों से दिवाली में पटाखें न जलाने की अपील की है। इसपर प्रतिबंध भी लगा दिए गए हैं। इसी के साथ अन्य राज्यों से भी निवेदन किया गया है कि फसलों की पराली न जलाएं क्योंकि उन राज्यों से आने वाला धुआं दिल्ली के प्रदूषण को दमघोटु बना देता है। उम्मीद की जानी चाहिए लोग अपनी जिम्मेदारी समझेंगे और प्रदूषण से अपने शहर को बचाने के लिए भरसक प्रयास करेंगे। वहीं सरकार ने सर्दियों के दौरान शहर में प्रदूषण से लड़ने की कार्य योजना की तैयारियों के तहत पर्यावरण विशेषज्ञ बैठक का आयोजन किया। दिल्ली सचिवालय में 24 संगठनों के साथ-साथ राष्ट्रीय और वैश्विक विशेषज्ञों की बैठक हुई। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री ने कहा कि विभिन्न संगठनों के चौबीस पर्यावरण विशेषज्ञों ने प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली में 13 महत्वपूर्ण हॉटस्पॉट के लिए एक शीतकालीन कार्य योजना का प्रस्ताव दिया है।

इसके अतिरिक्त, आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों ने गंभीर दिनों के दौरान कृत्रिम बारिश की एक विधि प्रस्तुत की। हम शीतकालीन कार्य योजना पर चर्चा के लिए 14 सितंबर को एक सर्व-विभागीय बैठक की मेजबानी करेंगे। महत्वपूर्ण हॉटस्पॉट के लिए एक अलग शीतकालीन कार्य योजना प्रदूषण के विभिन्न कारणों से व्यापक रूप से निपटने में मदद करेगी। यह बहुत संतोषजनक है कि सर्दियों के दौरान गंभीर दिनों की संख्या 33 से घटाकर 6 कर दी गई है, लेकिन इसमें और कमी आनी चाहिए। 14 सितंबर को सभी 28 विभागों के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। शीतकालीन कार्य योजना में उल्लिखित प्रमुख बिंदुओं के आधार पर, बैठक के दौरान विभिन्न विभागों को विशिष्ट जिम्मेदारियां दी जाएंगी। रियल टाइम अपॉर्शनमेंट स्टडीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, बायोमास जलाना दिल्ली में प्रदूषण के प्रमुख कारणों में से एक है। पराली जलाने की घटना 15 दिनों के भीतर होती है और दिल्ली सरकार इस मामले पर पड़ोसी राज्यों के साथ काम कर रही है। पहले दावा किया था कि पिछले नौ वर्षों में दिल्ली में पीएम10 और पीएम2.5 के स्तर में औसतन 45 प्रतिशत की गिरावट आई है। दिल्ली के प्रदूषण को समाप्त करने की जिम्मेदारी केवल सराकर की नहीं है इसके लिए सामूहिक प्रयास करना जरूरी है तभी इस समस्या से निजात मिल सकती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत ने अधिकांश पत्ते सही चले जी-20 में

गुरजीत सिंह

बड़ी ताकतों के बीच प्रतिद्वंद्विता की आंच को सम्मेलन से दूर रखने के लिए भारत की जी-20 की अध्यक्षता की चंहु ओर प्रशंसा हो रही है, जिससे उभरते बाजार को बल मिलेगा और विकासशील देशों को पनपने का मौका। सहृदयता और हिम्मत से लबरेज भारतीय विदेश नीति के लिए गत सप्ताहांत का प्रदर्शन शायद सबसे शानदार रहा। नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन ऐतिहासिक और अनोखा था। यह 1983 में आयोजित हुए गुट-निरपेक्ष आंदोलन और कॉमनवेल्थ शिखर सम्मेलनों जितना विशाल नहीं था। फिर भी, यह भारत में विश्व के सबसे ताकतवर राष्ट्राध्यक्षों का सबसे बड़ा सम्मेलन था। सबसे ज्यादा गौर करने वाली बात है कि भारत ने पूरे आयोजन को बहुत कुशलता से निभाया।

मेजबान भारत ने अपनी अध्यक्षता का आदर्श-वाक्य 'वसुधैव कटुम्बकम' या 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' बनाया और इसी पर आगे बढ़ा। जिसकी बदौलत जी-20 में सबकी भागीदारी पहले की अपेक्षा अधिक बन सकी। भारत ने सलाह-प्रक्रिया में दक्षिणी गोलार्ध के राष्ट्रों को भी शामिल किया और नौ देशों को आमंत्रित किया, जो अधिकतर विकासशील जगत से हैं। सम्मेलन में विश्व की विकास संबंधी समस्याओं का हल निकालने के लिए एजेंडा पर विचार हुआ। यह वैसा शिखर सम्मेलन नहीं था, जहां भारत अपने प्रतिद्वंद्वी को पछाड़ने की कोशिश में रहे बल्कि यह आयोजन वह रहा जिसमें बहु-स्तरीय तंत्र की खामियों को सुधारने की कोशिशें हुई, जीवंतता का पुनर्संचार हुआ और यह दुनिया के लोगों की जरूरतों के प्रति अधिक क्रियाशील बनने का प्रयास रहा। प्रक्रिया को पटरी पर बनाए रखने और जी-20 का हश्र संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तरह गैर-प्रभावी न होने पाए, इसके लिए भारत को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी ताकि रूस और चीन के साथ पश्चिमी मुल्कों की प्रतिद्वंद्विता की छाया दूर रहे। इसलिए, जी-20 के सदस्य दक्षिणी मुल्कों के बीच गठबंधन की प्रक्रिया आरंभ हुई। इस एकता के बूते दक्षिण एशियाई मुल्कों की ताकत आखिरकार जी-20 के अकड़ू सदस्यों को माननी पड़ी।

भारत ने 55 अफ्रीकी मुल्कों का प्रतिनिधित्व करने वाले और सबसे बड़े क्षेत्रीय संगठन अफ्रीकन यूनियन (एयू) को जी-20 में शामिल करके नया संतुलन बनाने की कोशिश की है।

अफ्रीकी संगठन को बतौर आमंत्रित सदस्य जी-20 में बुलाया गया, लेकिन पिछले किसी अध्यक्ष ने इस समूह के सदस्य विन्यास में बदलाव करने का जोखिम नहीं उठाया। भारत ने यह सफलतापूर्वक कर दिखाया। तथ्य है कि आयोजन की प्रक्रिया शुरू होने से पूर्व, भारत ने एयू को जी-20 में बतौर स्थाई सदस्य शामिल किए जाने पर सर्वसम्मति की घोषणा कर दी थी, इस तरह उसके प्रतिनिधि को भी मुख्य वार्ता मंच पर जगह मिली। अफ्रीकी देशों और भारत के बीच लंबे समय से रहे 'हरम्बी' सहयोग संबंधों के लिए यह पल कभी न भूलने वाले बन गए। अफ्रीकन यूनियन में बतौर पूर्व राजदूत रहने के कारण मुझे बहुत खुशी हुई जब शीर्ष नेतृत्व के घोषणापत्र को दिशा देने में भारत ने यह हिम्मत कर दिखाई। चूंकि इस साल मंत्री स्तर की प्रत्येक बैठक में इस मुद्दे पर सर्वसम्मति नहीं बन पाई थी, तो आमतौर पर कयास था कि संयुक्त वक्तव्य की बजाय अध्यक्ष की संक्षिप्त टिप्पणी से काम चलाया जाएगा। इस साल हुई जी-20 बैठकों में इसी प्रारूप को अपनाया भी गया। यह एक बढ़िया जुगत रही और इससे ऐसा कोई मौका नहीं बना कि सर्वसम्मति वाली भाषा में कोई किंतु-परंतु करने में माथापच्ची करता रहे और अंतिम निर्णय शीर्ष नेतृत्व पर छोड़ दिया गया, जहां अंततः सर्वसम्मति बन गई। यूक्रेन के मुद्दे पर पश्चिमी मुल्कों, रूस और चीन के विचार और तेवर लीक में बंधे हैं। भारत इस बात पर दृढ़ था कि बाली में बनी सर्वसम्मति अब व्यावहारिक नहीं रही, लिहाजा एक नई सर्वसम्मति बनानी पड़ेगी। भारतीय राजनयिकों ने विभक्त हुई पड़ी दुनिया के मुल्कों को उन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने को राजी कर लिया, जो वाकई मायने रखते हैं।

जी-20 की अध्यक्षता इंडोनेशिया, भारत, ब्राजील और दक्षिण एशिया के रूप में दक्षिणी गोलार्ध के मुल्कों के पास एक के बाद एक रही है और इस कारक ने सर्वसम्मत घोषणापत्र को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसका समर्थन तुर्किए, सउदी अरब, मेक्सिको और अन्य मुल्कों ने भी किया। रोचक यह कि यूक्रेन को लेकर पैरा में रूस की निंदा सीधी नहीं है, इनमें रूस पर आए सयुंक्त राष्ट्र प्रस्तावों, बाली सर्वसम्मति और यूक्रेन में हुए विभिन्न प्रकार के अतिक्रमणों का जिक्र है। इस मसले पर, रूस का नाम लिए बगैर भारत ने कर दिखाया कि आपसी इलाकाई झगड़े के पीछे तीसरे मुल्क भी जिम्मेवार हैं।

कुरीति की आड़ में भयादोहन की अनीति

दीपिका अरोड़ा

सदियों से प्रचलित दहेज प्रथा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। एक तरफ वे लोग हैं जो वैवाहिक बंधन के नाम पर सौदेबाज़ी करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ते तो दूसरी ओर समाज में एक ऐसा स्वार्थी वर्ग पनप रहा है जो दहेज विरोधी कानून का दुरुपयोग करने में किंचित मात्र भी संकोच नहीं करता। बीते दिनों एक ऐसे ही झूठे मामले के विरुद्ध कड़ा संज्ञान लेते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने महिला द्वारा ससुराल पक्ष पर लगाए गए झूठे दहेज उत्पीड़न एवं दुष्कर्म के आरोपों को 'घोर क्रुरता' बताते हुए अक्षम्य करार दिया। दरअसल, दहेज उन्मूलन हेतु स्थापित धारा 498-ए का दुरुपयोग विगत कुछ वर्षों से चिंताजनक रूप धारण करने लगा है। बलात्कार एक भयावह अत्याचार है किंतु ऐसे मामले भी देखने में आए जहां संपत्ति विवाद अथवा अन्य पारिवारिक कारणों के चलते ससुराल पक्ष से संबद्ध किसी व्यक्ति पर मिथ्यारोप जड़ दिए गए। अर्नेश कुमार बनाम बिहार सरकार मामले पर सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने 498-ए की आड़ में मिथ्या दोषारोपण के अनवरत बढ़ते प्रकरणों को लेकर गंभीर चिंता जताई थी, जोकि कतई निराधार नहीं।

निःसंदेह, दहेज प्रथा समूचे समाज के लिए अभिशाप है, जिसके कारण अनेक बेटियों को मानसिक, शारीरिक अथवा सामाजिक संताप झेलना पड़ता है। आईपीसी-1860 के सामान्य प्रावधान को सशक्त बनाने के उद्देश्य से ही साल 1983 में इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए जोड़ी गई। इसके तहत, कोई महिला पति अथवा ससुरालजनों द्वारा क्रुरतापूर्ण व्यवहार करने या मानसिक, शारीरिक अथवा अन्य किसी प्रकार से प्रताड़ित किए जाने पर इसके विरोध में शिकायत दर्ज करा सकती है। दोष सिद्ध होने पर अपराधी को भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए के तहत, 3 वर्ष की क़ैद तथा जुर्माना हो सकता है अथवा दहेज अधिनियम, 1961 के अनुसार, पांच वर्ष की क़ैद तथा 15,000 रुपये तक जुर्माना भरना पड़ सकता है।

कदाचित इसी कानून का दुरुपयोग होने पर भी पति सपरिवार चपेट में आ सकता है। पर्याप्त सबूतों के अभाव में त्वरित जमानत न मिलने के कारण निरपराध होते हुए भी महीनों कारावास में काटने पड़ सकते हैं। मुकदमेबाजी से लेकर बरी होने तक की कानूनी प्रक्रिया के दौरान न केवल पूरे परिवार को आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है अपितु शारीरिक-मानसिक स्थिति सहित सामाजिक प्रतिष्ठा पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ज्ञातव्य है, पत्नी द्वारा दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करवाने के कारण दो वर्ष तक मानसिक दबाव झेलने वाले राजधानी दिल्ली निवासी 45 वर्षीय राजेश जायसवाल ने इस संदर्भ में एक वीडियो जारी करते हुए आत्महत्या कर ली थी। बाराबंकी का विकास भी आईपीसी की धारा 498-ए का मुकदमा लिखे जाने तथा ससुरालजनों द्वारा दी गई प्रताड़ना न सह पाने के कारण जीवन की जंग हार बैठा। संवेदनात्मक स्तर पर आहत व्यक्ति यदि आत्मघात की ओर उन्मुख होने लगे तो समूचे समाज व व्यवस्था के लिए यह अत्यंत गंभीर प्रश्न बन जाता है। हालांकि, भारतीय संविधान में कोई निश्चित कानून नहीं जिसके माध्यम से दहेज का झूठा मामला दायर करने पर पत्नी को सजा मिलना तय हो सके किंतु दहेज मामले नियम, 2023 के अनुसार, न्यायालय अपनी समझ व शक्ति का प्रयोग करते हुए ऐसा कर सकता है। दक्षिण मुंबई के एक बिजनेसमैन को दहेज उत्पीड़न तथा आपराधिक मामले में राहत प्रदान करते हुए मुंबई हाईकोर्ट ने झूठा मामला दर्ज करवाने वाली पत्नी को 50 हजार रुपए जुर्माना भरने को कहा। पति द्वारा रखी तलाक की मांग को भी मंजूरी मिल गई। सामाजिक,मानसिक, शारीरिक अथवा आर्थिक, किसी भी प्रकार का संत्रास झेलना यद्यपि सरल नहीं तथापि विषम परिस्थितियों से घबराकर आत्मघात का मार्ग अपनाना सर्वथा अनुचित है। स्थिति का दृढ़तापूर्वक सामना करने हेतु आवश्यक है कि पत्नी द्वारा झूठे केस में फंसाने संबंधी दी गई धमकी को चैटिंग, ऑडियो रिकॉर्डिंग अथवा मैसेज आदि के रूप में सुरक्षित रखा जाए। ठोस प्रमाण शिकायत दर्ज करवाने तथा त्वरित जमानत दिलवाने में सहायक बन सकते हैं। पत्नी द्वारा दहेज मामले में फंसाने की धमकी देकर घर छोड़ने पर वैवाहिक अधिकारों की प्रतिस्थापन धारा-9 के तहत, उसे अपने पास बुलाने हेतु न्यायालय में याचिका दाखिल की जा सकती है।

पति के पक्ष में यह पुख्ता सबूत होगा कि पत्नी अपनी इच्छानुसार घर छोड़कर गई। निःसंदेह महिलाओं का सम्मान व सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु दहेज उन्मूलन कानूनों का कठोरतापूर्वक लागू होना अति आवश्यक है किंतु निजी स्वार्थ अथवा विद्वेष के चलते कानूनी प्रावधान को प्रहार के रूप में प्रयुक्त करना पूर्णतः अनैतिक है। कानून का ध्येय यदि अपराधियों को दंडित करना है तो निर्दोषों की रक्षा व सम्मान यकीनी बनाए रखना भी उसके दायित्व के अंतर्गत आता है। कानून किसी अपराधी को समुचित दंड न दे पाए अथवा इसकी आड़ में किसी निरपराध को दंड भोगना पड़े; दोनों ही स्थितियां सामाजिक विकास में बाधक हैं। कानून की धारा, जिसका प्रयोग एक वर्ग की रक्षार्थ किया जाना हो, जब हथियार बनकर दूसरे वर्ग पर वार करने लगे तो ऐसे में समग्र सामाजिक उत्थान की संकल्पना भला कैसे संभव है?

जिंक

शरीर के सामान्य कार्यों के लिए आवश्यक

शरीर को बेहतर तरीके से काम करते रहने के लिए आहार के माध्यम से पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। पोषक तत्व, शरीर को स्वस्थ रखने, अंगों को बेहतर तरीके से काम करते रहने और बीमारियों से बचाव के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। जिंक, ऐसा ही एक अति आवश्यक तत्व है, जिसका शरीर के कई कार्यों में विशेष योगदान माना जाता है। जिंक एक प्रकार का खनिज है जो शरीर के कई सामान्य कार्यों और प्रणालियों के लिए आवश्यक है, जिसमें प्रतिरक्षा प्रणाली, घावों का भरना, रक्त का थक्का जमाना, थायरॉइड फंक्शन और स्वाद-गंध की इंद्रियों के कार्यों को ठीक रखना शामिल है। इसके अलावा जिंक गर्भावस्था, बचपन और किशोरावस्था के दौरान सामान्य वृद्धि और विकास में भी सहायता करती है। जिंक प्रकृति में पाई जाने वाली एक आवश्यक धातु है। इसकी बहुत सीमित मात्रा मानव शरीर के लिए अतिआवश्यक होती है। इसकी कमी और अधिकता मानव शरीर पर बुरा प्रभाव डालती है।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज को कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ के लिए जाना जाता है, ये जिंक के लिए भी फायदेमंद है। 100 ग्राम कद्दू के बीज में लगभग 7.5 मिलीग्राम जिंक होता है, जो अनुशंसित दैनिक सेवन का लगभग आधा है। आहार में जिंक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट भी है जो मेटाबॉलिज्म प्रक्रिया में भी मदद करती है।

अंडे खाने से मिलेगा लाभ

अंडों को प्रोटीन के सबसे अच्छे स्रोतों में से एक माना जाता है, इसके सेवन से आप जिंक भी प्राप्त कर सकते हैं। एक बड़े उबले अंडे में 0.53 मिलीग्राम जिंक होती है, जो पुरुषों के लिए दैनिक जरूरतों के 4.8 प्रतिशत और महिलाओं के लिए 6.6 प्रतिशत के बराबर है। अंडे, संपूर्ण प्रोटीन हैं, जिसका अर्थ है कि इसमें सभी नौ आवश्यक अमीनो एसिड होते हैं जो शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक है। आहार में अंडों को शामिल करना पूरे शरीर के लिए लाभकारी प्रभावों वाला माना जाता है। ओमेगा 3 फैटी एसिड से शरीर में अच्छेश कोलेस्ट्राल यानि एचडीएल का निर्माण होता है इसके अलावा कैल्शियम से दांत व हड्डियां मजबूत होती हैं। अंडे में विटामिन ए पाया जाता है जो बालों को मजबूत बनाने के साथ आंखों की रोशनी बढ़ाता है। अंडे में मिलने वाला फोलिक एसिड व विटामिन बी 12 स्तन कैंसर से बचाता है।

दस्त में जिंक के फायदे

जिंक की गोलियां दस्त को कम करने में मदद करती हैं। जस्ता (जिंक) की गोलियों का 10-दिनों तक नियमित सेवन, दस्त के इलाज में प्रभावी भूमिका निभाती है और इस स्थिति को भविष्य में दोबारा होने से रोकने में भी मदद करती हैं।

रोजाना खाएं नट्स

नट्स, जिंक और अन्य आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने में मदद करते हैं। मूंगफली, काजू और बादाम जिंक के अच्छे स्रोत हैं। ये नट्स स्वस्थ वसा, विटामिन और फाइबर भी प्रदान करते हैं, जो शरीर को सेहतमंद रखने के लिए आवश्यक है। काजू में जिंक की मात्रा सबसे अधिक होती है, इसलिए आप आहार में इन नट्स को शामिल कर सकते हैं। अध्ययनकर्ता बताते हैं, रोजाना मुट्ठीभर नट्स का सेवन हृदय रोगों से बचाने में फायदेमंद है।

इम्युनिटी के लिए जरूरी

रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना कई प्रकार की संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए जरूरी होता है। कोरोना महामारी के दौरान यह हम सभी अच्छी तरीके से समझ चुके हैं। अध्ययनकर्ता बताते हैं कि प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए जिंक भी बहुत आवश्यक है। जिंक पूरे शरीर की कोशिकाओं में पाई जाती है। यह आपके प्रतिरक्षा तंत्र को हमलावर बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करती है। आपका शरीर डीएनए (कोशिकाओं में आनुवंशिक सामग्री) और प्रोटीन बनाने के लिए भी जिंक का उपयोग करता है।

हंसना मना है

एक ब्वॉयफ्रेंड अपनी गर्लफ्रेंड को फिल्म देखने से पहले पान खरीद कर देता है।
गर्लफ्रेंड- तुम अपने लिए क्यों नहीं खरीद रहे हो। ब्वॉयफ्रेंड: क्योंकि मैं पान के बिना भी चुप रह सकता हूं।

प्रेमी, तुम्हें पता है विदेश में तलाक लेना आसान है।' प्रेमिका, 'हां, तभी तो वहां की लड़कियां शादी के समय रोती नहीं हैं।

प्रेमिका-क्या तुम मेरे लिये चांद तोड़ के ला सकते हो? प्रेमी- फिर धरती के चक्कर तेरा बाप लगाएगा।

प्रेमी (प्रेमिका से)- लड़कियां शराब से इतनी नफरत क्यों करती हैं? प्रेमिका- क्योंकि शराब पीने के बाद उनका चूहे जैसे पति शेरों जैसा बर्ताव करके दहाड़ने लगता है।

प्रेमिका- क्या बात है, आज बहुत उदास दिख रहे हो? प्रेमी- नहीं! कोई सी बात नहीं। प्रेमिका-आपको मेरी कसम है सच-सच बतइये। प्रेमी- आज मेरा एक दोस्त तुम्हारी बहुत तारीफ कर रहा था।

प्रेमिका ने प्रेमी से कहा -अपनी शादी के लिए! तुम मां से मिलकर देखों। प्रेमी बोला-नहीं डियर! अब तुम्हारे सिवाय कोई दूसरी मेरे मन में नहीं बस सकती।

कहानी | अपनी कीमत को कम ना समझे

एक बार एक प्रसिद्ध वक्ता किसी शहर में आये हुए थे, और सैंकड़ो लोग उस वक्ता को सुनने आये थे, वक्ता अपने दर्शकों के सामने एक 20 डॉलर मूल्य का नोट अपने हाथ में लिए हुए थे। उसने उस 20 डॉलर के नोट को सभी को दिखाते हुए सभी से पूछा- कौन कौन इस नोट को पाना चाहता है? वहां बैठे लगभग सभी दर्शकों ने हां में जवाब दिया। उस वक्ता ने कहा मैं आप में से एक को यह नोट दूंगा, ऐसा कह कर उसने उस नोट को मरोड़ दिया। उसने पूछा- अब कौन इसे अभी भी पाना चाहेगा? अभी भी लगभग सभी के हाथ खड़े थे। उसने फिर उस नोट को लेकर अपने जूतों से अच्छे से रगड़ दिया और फिर और मरोड़ भी दिया। उसने उस नोट को उठाया और दोवारा उसको भीड़ के समक्ष दिखा कर दोबारा पूछा- अब कौन कौन इस नोट को अभी भी पाना चाहता है, क्योंकि अब की बार यह गन्दा और मरोड़ा हुआ था। अभी भी लगभग सभी दर्शकों ने अपने हाथ खड़े किये। यह देख कर वक्ता ने भीड़ को सम्बोद्धित करते हुए कहा की मैंने इस नोट के साथ जाने क्या क्या किया लेकिन फिर भी आप सब इसे पाना चाहते हो, क्योंकि लाख मरोड़ने पर भी इसके मूल्य में परिवर्तन नही आया, अभी भी इसकी कीमत 20 डॉलर की है। इसलिए इसे इतना मोड़ने व गन्दा करने से कोई फर्क नहीं पड़ा।

कहानी से शिक्षा- अधिकतर हमारी जिंदगी भी हमें ऐसे ही मरोड़ और परेशानियां देकर धूल मिट्टी में गन्दा कर देती है, और इस कारण हम अपने आपको कम आंक लेते है, इससे कोई फर्क नही पड़ता, क्या हुआ और क्या होगा, केवल जरुरत है की हम अपनी कीमत को ना भूले और आगे बढ़ें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष – नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी।

वृषभ – व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा।

मिथुन – नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी।

कर्क – व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें।

सिंह – राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

कन्या – व्यापार ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें।

तुला – राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है।

वृश्चिक – प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

धनु – बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है।

मकर – आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है।

कुम्भ – कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

मीन – नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

'वेलकम टू द जंगल' में कास्ट न किए जाने पर नाराज हुए नाना

ना पाटेकर हाल ही गदर 2 में नरेटर बनकर वापसी की थी, और अब वह बड़े पर्दे पर द वैक्सीन वॉर में छा जाने को तैयार हैं। हाल ही फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर नाना पाटेकर ने जहां शाहरुख खान की जवान पर तीखी बात कही, वहीं उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उन्हें वेलकम के तीसरे पार्ट वेलकम टू द जंगल के लिए अप्रोच नहीं किया गया। साथ ही वह फिल्म के मेकर्स पर भड़क गए। मालूम हो कि हाल ही वेलकम का तीसरा पार्ट अनाउंस किया गया, जिसे अहमद खान डायरेक्ट करेंगे। Nana Patekar फिल्म के पहले और दूसरे पार्ट का हिस्सा थे। ऐसे में जब वह तीसरे पार्ट में नहीं दिखे, तो फैंस हैरान रह गए। इसी को लेकर एक सवाल नाना पाटेकर से पूछ लिया गया। तब नाना पाटेकर ने बताया कि उन्हें Welcome To The Jungle के लिए अप्रोच नहीं किया गया। वह बोले, वेलकम टू द जंगल में हम नहीं हैं। उनको लगता है कि हम पुराने हो गए हैं। इसलिए शायद उन्होंने नहीं लिया। लेकिन इनको (विवेक अग्निहोत्री) को लगता है कि हम अब भी पुराने नहीं हुए हैं, इसलिए इन्होंने ले लिया। बस सिंपल है। और इंडस्ट्री कभी आपके लिए बंद नहीं होती। अगर आप अच्छा काम करना चाहते हैं, लोग आएंगे। आपको पूछेंगे। आपको ये समझना चाहिए कि आप वो काम कर सकते हैं या नहीं। हर एक को काम मिलता है, आप करना चाहते हैं या नहीं इस बात पर निर्भर है। वेलकम का पहला पार्ट 2007 में आया था, जिसे अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया था। वहीं दूसरा पार्ट 2015 में आया। दोनों ही फिल्में हिट रहीं, और नाना पाटेकर उनका हिस्सा थे। इनमें उदय शेट्टी के रोल में नाना पाटेकर को खूब पसंद किया गया। मजनू भाई अनिल कपूर के साथ उनकी जोड़ी खूब जमी। लेकिन अब नाना तीसरे पार्ट में नजर नहीं आएंगे। हाल ही जब वेलकम टू द जंगल का अनाउंसमेंट टीजर आया, तो दर्जनभर सितारे उसमें दिखे, पर नाना पाटेकर नजर नहीं आए। फैंस को भी नाना पाटेकर की कमी खली, और उन्होंने सोशल मीडिया पर सवाल पूछने शुरू कर दिए।

सान्या मल्होत्रा ने जवान-2 को लेकर जताई उम्मीद

शाहरुख खान के लीड रोल वाली जवान ब्लॉकबस्टर बन चुकी है। सिनेमाघरों में धमाल मचा रही इस फिल्म के सेकेंड पार्ट की भी मांग फैंस की ओर से हो रही है। इस पर जवान में अहम रोल निभाने वालीं एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा का भी रिएक्शन आया है। एक पोर्टल से बातचीत में कहा है कि कई लोगों ने उनसे फिल्म के सीक्वल के बारे में पूछा है। ये बताता है कि लोग फिल्म को कितना पसंद कर रहे हैं।

सान्या ने कहा कि यह जवान की खूबसूरती है कि लोग कैरेक्टर्स के बारे में ज्यादा जानना चाहते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है जवान के मेकर्स फिल्म का अगला पार्ट भी लेकर आएंगे। इतना ही नहीं वो मुझे भी फिल्म का हिस्सा बनाएंगे। साथ ही एक दर्शक के तौर पर भी चाहती हूं कि जवान 2 आए।

शाहरुख की फिल्म कर चुकी 600 करोड़ की कमाई

एटली के डायरेक्शन में बनी फिल्म जवान दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। फिल्म ने 7 सितंबर से 12 सितंबर तक यानी पहले 6 दिन में ही दुनियाभर में 600 करोड़ की कमाई कर ली है। फिल्म ने इसमें करीब 350 करोड़ भारत में और 250 करोड़ दुनिया के दूसरे मुल्कों में कमाए हैं। शाहरुख खान की जवान 7 सितंबर को 3 भाषाओं में रिलीज हुई है। फिल्म में शाहरुख खान के साथ सान्या मल्होत्रा, रिद्धि डोगरा और दीपिका भी नजर आई हैं। फिल्म में साउथ इंडस्ट्री के 3 बड़े सितारे नयनतारा, विजय सेतुपति और प्रियामणि भी काम कर रहे हैं।

एक एंटरटेनमेंट न्यूज पोर्टल ने भी हाल ही में फिल्म से जुड़े करीबी शख्स के हवाले से दावा किया था कि फिल्म का सीक्वल बन सकता है। इस शख्स ने कहा था कि फिल्म के लीड एक्टर शाहरुख खान और डायरेक्टर एटली दोनों सीक्वल में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

प्रभास की फिल्म 'सालार' की टली रिलीज

साउथ के रेबेल स्टार प्रभास बाहुबली और बाहुबली 2 की सक्सेस के बाद से लेकर अब तक एक हिट फिल्म को तरस रहे हैं। उनकी साहो, राधे श्याम और आदिपुरुष बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम हो गईं। फैंस उनकी अगली फिल्म सालार से काफी उम्मीदें लगाकर बैठे हैं। इसका डायरेक्शन KGF और 'KGF-2 के डायरेक्टर प्रशांत नील कर रहे हैं। ये मूवी इसी महीने 28 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसे पोस्टपोन कर दिया गया है। अब मेकर्स की तरफ से ऑफिशियल अनाउंसमेंट भी हो गई है, जिसके बाद प्रभास के फैंस को झटका लगा है। कहा जा रहा है कि शाहरुख खान की जवान के कारण इसकी रिलीज को टाला गया है, लेकिन मेकर्स ने अब असल वजह का भी खुलासा कर दिया है।

मेकर्स की तरफ से जारी किए गए पोस्ट में लिखा है, हम #Salaar के लिए आपके अटूट समर्थन की सराहना करते हैं। विचार करते हुए, हमें अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण 28 सितंबर की मूल रिलीज में देरी करनी चाहिए। कृपया समझें कि यह निर्णय सावधानी से लिया गया है, क्योंकि हम एक असाधारण सिनेमाई एक्सपीरियंस देना चाहते हैं। हमारी टीम हाईएस्ट स्टैंडर्स को पूरा करने के लिए पूरी कोशिश कर रही है।

इस पोस्ट में आगे ये बताया गया है कि नई रिलीज डेट की अनाउंसमेंट तब की जाएगी, जब सही समय आएगा। लिखा गया है, नई रिलीज डेट उचित समय पर बताई जाएगी। हमारे साथ बने रहें क्योंकि हम #SalaarCeaseFire को अंतिम रूप दे रहे हैं और इस शानदार जर्नी का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद।

विक्की कौशल और मानुषी छिल्लर की मूवी द ग्रेट इंडियन फैमिली 22 सितंबर 2023 को थिएटर्स में रिलीज होगी। शिल्पी शेट्टी की मूवी सुखी भी इसी दिन सिनेमाघरों में दस्तक देगी। विवेक अग्निहोत्री की नई फिल्म द वैक्सीन वॉर को 28 सितंबर को रिलीज किया जा रहा है। ये फिल्म फुकरे 3 से भिड़ेगी।

अजब-गजब | इस मुस्लिम जनजाति में महिलाएं होती हैं घर की मुखिया

यहां औरतें नहीं बल्कि पुरुष पहनते हैं बुर्का

दुनिया के अधिकतर देशों में महिलाओं के लिए कानून बनाए जाते हैं, उनको बढ़ावा दिया जाता है और उनको सशक्त करने का कार्य किया जाता है पर सच तो ये है कि आज भी विकसित हों या विकासशील, हर देश में महिलाओं की स्थिति बुरी है क्योंकि उन्हें उनके मन मुताबिक सोचने की, आजादी से घूमने की छूट नहीं दी जाती। उनके खिलाफ होने वाले अत्याचार, अपराध इस बात का सबूत हैं। पर कभी-कभी लगता है कि विकसित समाज की तुलना में, पिछड़ी मानी जाने वाली जनजातियां उनसे बेहतर हैं। अफ्रीका की एक जनजाति इस बात का अच्छा उदाहरण है जो एक मुस्लिम जनजाति है, पर उनके समाज में औरतों को मर्दों से ज्यादा ऊंचा दर्जा दिया जाता है। इस वजह से इस जनजाति के काफी चर्चे भी हैं।

इस जनजाति का नाम है टुआरेग। ये सहारा रेगिस्तान में रहने वाली एक बंजारों की जनजाति है जो उत्तरी अफ्रीका के माली, नाइगर, लिबिया, एल्जीरिया और कैड जैसे देशों में रहती है। साल 2011 की एक रिपोर्ट के अनुसार इनकी आबादी 20 लाख के करीब है। ये एक मुस्लिम जनजाति है पर इनके रीति-रिवाज इस्लामिक मान्यताओं से बिल्कुल अलग हैं। इस जनजाति की एक खासियत ये है कि इसमें औरतें नहीं, बल्कि पुरुष बुर्का पहनते हैं। पुरुष नीले रंग का बुर्का पहनते हैं। इसका कारण ये है कि उन्हें अक्सर रेगिस्तान में यात्रा करनी पड़ती है। ऐसे में वो खुद को रेत और धूप से बचाते हैं। 'Henrietta Butler' नाम की एक फोटोग्राफर ने एक बार इस जनजाति के लोगों से पूछा था कि आखिर औरतें क्यों बुर्का नहीं पहनती हैं। तो उन्हें जवाब मिला था कि महिलाएं खूबसूरत होती हैं, मर्द उनका चेहरा हमेशा देखना चाहते हैं। इस जनजाति से जुड़ी एक और हैरान करने वाली बात ये है कि यहां महिलाओं को परिवार का मुखिया माना जाता है। अगर कभी पति से उनका तलाक हो जाता है तो वो उसकी पूरी जायदाद अपने पास रख सकती हैं। यही नहीं, उन्हें शादी हो जाने के बाद भी, कई मर्दों से संबंध बनाने की इजाजत होती है। शादी से पहले और बाद में उनके कई प्रेमी हो सकते हैं। इस जनजाति में तलाक में बुरा नहीं माना जाता। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि तलाक के बाद पत्नी के घर वाले जलसा करते हैं और पार्टी होती है। वुमेन प्लानेट वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक टुआरेग जनजाति के लोग बहुत खुद्दार भी होते हैं। अगर उन्हें पानी के लिए ना पूछा गया हो, तो वो खुद से कभी नहीं मांगते, चाहे प्यास से उनकी हालत क्यों ना बिगड़ जाए। इसी प्रकार एक प्रथा के अनुसार पुरुष, उन औरतों के सामने खाना नहीं खाते, जिनसे वो संबंध नहीं बना सकते हैं।

1965 में चुराई थी दो भैंस, अब 57 साल बाद हुए गिरफ्तार, दिलचस्प है कहानी

कर्नाटक। वैसे तो हम आए दिन नई-नई तरह की खबरें, पढ़ते और सुनते रहते हैं, लेकिन जिस कहानी का जिक्र हम कर रहे हैं वो कहानी काफी दिलचस्प है। एक व्यक्ति पर दो भैंस और एक बछड़ा चुराने का आरोप तब लगा, जब वह सिर्फ 20 साल का था। उस वक्त पुलिस में रिपोर्ट लिखाई गई। पुलिस ने दोनों भैंस और बछड़ा ढूंढा और जिस व्यक्ति का था उसे वापस कर दिया। आरोपी भी पकड़ा गया, लेकिन कोर्ट ने उसे बेल दे दी। कहानी एक बार फिर जिंदा हो गई है। 20 साल का वो व्यक्ति जिसका नाम है गणपति विट्ठल है, वो अब 77 साल का हो चुका है। 57 साल बाद केस एक बार फिर ओपन हो गया है। इसके चलते पुलिस ने आरोपी को फिर गिरफ्तार किया है।

ये मामला कर्नाटक के बीदर जिले का है। बीदर जिला, महाराष्ट्र बॉर्डर पर पड़ता है। गणपति विट्ठल भी महाराष्ट्र के उदयगिर में रहते हैं। ये मामला इंटर स्टेट भी है। उन पर जब भैंस चुराने का आरोप लगा तो उम्र 20 साल थी। वह अब 77 साल के हो चुके हैं, लेकिन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गणपित इस घटना को भुला भी चुके हैं। इतना ही नहीं, भैंस चुराने के लिए उनके साथ एक और आरोपी था कृष्णा चंदर। कृष्णा की उम्र 1965 में 30 साल की थी। घटना के बाद कृष्णा भाग गया था, जिसे बाद में अरेस्ट किया गया और बेल पर छोड़ दिया गया। 2006 में कृष्णा की मौत हो चुकी है।

पुलिस और कोर्ट के सामने आज की तारीख में करोड़ों केस पेंडिंग है। मगर इस केस में हुई कार्रवाई से हर कोई हैरान है। ये केस साल 1965 का है। 57 साल इस केस को बीत चुके हैं, जो भैंस चोरी हुई थीं, वो वापस भी कर दी गई थीं। हालांकि इस मामले में गणपति विट्ठल को उम्मीद है कि उन्हें बेल मिल जाएगी।

शिवराज ने माना गाढ़ी कमाई की लूट की : कमलनाथ

» रसोई गैस का दाम 450 करने पर बीजेपी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। महिलाओं को 450 रुपए में रसोई गैस देने के आदेश निकलते ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने ट्वीट कर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को जमकर घेरा है। कमलनाथ शिवराज को घोषणा वीर बताते हुए कहा कि आपका टाइम अब खत्म हो चुका है।

नाथ ने ट्वीट किया कि शिवराजजी आपने स्वीकार कर लिया है कि रसोई गैस सिलेंडर के लिए एक हजार रुपए से भी ज्यादा कीमत वसूलकर भाजपा सरकार ने जनता की मेहनत की गाढ़ी कमाई की लूट मचा रखी थी। एलपीजी के दाम घटाकर 500 रुपए करने का वचन हमने जनता को दिया, तब आपने सरकार की इस लूट पर पर्दा डालकर सिलेंडर सस्ता करने की घोषणा की है। लेकिन जनता अब जान चुकी है कि आप केवल घोषणावीर हैं। चुनावी दौर में आपके भाषणों में घोषणाओं की बाढ़ खुद बयां करती हैं कि आप अब तक सत्ता के नशे में चूर होकर केवल बातें ही कर रहे थे।

आपका वक्त अब खत्म होने को है, अब जनता का वक्त आ रहा है। चुनाव के बाद कांग्रेस की सरकार आ रही है, जिसमें जनता को भाजपा सरकार की लूट, महंगाई और मुसीबत से मुक्ति मिलेगी। खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग की ओर से जारी गाइडलाइन में पात्रता नियम बताए गए है। इसके अनुसार प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की गैस कनेक्शन धारक उपभोक्ता और गैर उज्जवला योजना में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के अंतर्गत पंजीकृत उन्हीं महिलाओं को 450 रुपए में सिलेंडर दिया जाएगा जिनके नाम पर कनेक्शन होगा। यह आदेश एक सितम्बर से प्रभावशील माना जाएगा। इसके साथ ही लाडली बहना योजना की पात्र महिला के खुद के नाम पर कनेक्शन होना चाहिए।

भाजपा 64, कांग्रेस 66 सीटों पर घोषित कर सकती है उम्मीदवार

कांग्रेस और भाजपा मध्य प्रदेश में इस साल नवंबर-दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी तरह जुट गई है। उम्मीदवारों की सूची तय करने के लिए कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक लगातार दूसरे दिन भी हुई। 15 जीआरजी स्थित पार्टी के वॉर रूम में हुई बैठक में 100 सीटों के उम्मीदवारों के नामों पर मंथन हुआ। दूसरी तरफ बीजेपी में भी 64 सीटों को लेकर मंगलवार रात चर्चा हुई। बुधवार को भी पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक होगी। इसमें पार्टी इन सीटों के उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगा सकती है। दूसरे दिन भी मध्यप्रदेश के नेताओं के साथ के.सी वेणुगोपाल, रणदीप सिंह सुरजेवाला और भंवर जितेन्द्र सिंह मीटिंग करते रहे। सूत्रों का कहना है कि पार्टी लंबे समय से हार रही 66 सीटों पर जल्द ही टिकट घोषित कर सकती है। इसके अलावा पार्टी उन सीटों पर भी उम्मीदवार घोषित कर सकती है,जिन सीटों पर कांग्रेस पार्टी के विधायक है। जिनकी सर्वे रिपोर्ट भी अच्छी है। वर्तमान में कांग्रेस के 96 विधायकों में से करीब 35 विधायक ऐसे हैं, जिनके टिकट काटे जा सकते हैं। इन सीटों को छोड़कर करीब 60 विधायकों के टिकट घोषित किए जा सकते हैं। इधर, बीजेपी में भी मध्यप्रदेश चुनाव को लेकर 64 सीटों पर मंथन चल रहा है। सोमवार रात दिल्ली में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के बंगले पर सीएम शिवराज सिंह चौहान, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा की जेपी नड्डा, अमित शाह और बीएल संतोष के साथ करीब चार घंटे तक बैठक हुई।

हमारे भाग्य में जन आशीर्वाद यात्रा, कांग्रेस निकाल रही जनआक्रोश यात्रा : प्रभात झा

मध्य प्रदेश में भाजपा जन आशीर्वाद यात्रा निकाल रही है तो कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा प्रदेश भ्रमण पर है। जन आशीर्वाद यात्रा में दिग्गज नेता शिरकत कर रहे हैं। उमरिया पहुंची यात्रा में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा शामिल हुए। उन्होंने कि कहा हमारे भाग्य में जन आशीर्वाद और कांग्रेस के जन आक्रोश यात्रा है। उन्होंने कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा सहित सनातन धर्म और इंडिया गठबंधन और बयानों को आड़े हाथ लिया है। प्रभात झा ने कहा कि मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि हमें हमेशा जान आशीर्वाद निकालने की प्रेरणा देते रहना। उनको हमेशा जन आक्रोश यात्रा निकालने की प्रेरणा देते रहना। सनातन को लेकर झा ने कहा कि सनातन का हमला स्वयं पर हमला है। और यह उन इंडिया वालों को समझना होगा कि भारत में रहना है। तो सनातन के विरोध की राजनीति करना संभव नहीं है। स्टालिन के बेटे ने जो बयान दिया है, वो बहुत ग़लत है।

हटाया गया मक्का दर्जी इमामबाड़े से अतिक्रमण

रंग लाई समाजसेवी व अधिवक्ता हैदर की मुहिम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जनपद सीतापुर के खैराबाद में स्थित एक सुविख्यात मक्का दर्जी के इमामबाड़े से अतिक्रमण हटाया दिया गया है। लोगों को उम्मीद है कि भारतीय पुरातत्व सर्वे स्मारक को पूर्ण संरक्षण देगा। गौरतलब हो कि विगत 26 अगस्त 2003 को एक मंदबुद्धि व्यक्ति के द्वारा इमामबाड़े में निवास कर रहे अवैध अतिक्रमणकारियों की शह पर इमामबाड़े की कदम रसूल के समक्ष प्राचीन गेट नं 2 को तोड़ दिया गया था। उसके बाद जानेमाने समाजसेवी एवं अधिवक्ता मोहम्मद हैदर के प्रयासों से एवं जिला प्रशासन सीतापुर तथा सुन्नी वक्फ बोर्ड के द्वारा नियुक्त मुतवल्ली मोईन खैराबादी के प्रयासों से प्रांगण को अतिक्रमण मुक्त कर दिया है।जिला प्रशासन के द्वारा 13.09.2023 को पूर्ण रूप से अतिक्रमण मुक्त करने की कार्यवाही की गई।

दरअसल, इमामबाड़े में वर्षों से जमे अतिक्रमणकर्ताओं जिन्होने इस पूरे प्रांगण को अपार क्षति पहुंचाई थी एवं लगातार पहुंचा रहे थे, से मुक्त करा दिया है। जिससे इस सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण मिल सकेगा। इस मुहित से लगभग चार वर्षों से जुड़े मोहम्द हैदर व उनकी पत्नी इतिहासकार डा.सनोबर हैदर ने बताया कि उनके द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वे को 20 पृष्ठों की विस्तृत रिपोर्ट सौंपकर उसके संरक्षण की मांग की थी जिसके बाद पुरातत्व विभाग ने सुन्नी वक्फ बोर्ड से अपापत्ति मांगी थी।

अब सांस्कृतिक विरासत को क्षरित होने से रोका जा सकेगा : हैदर

श्री हैदर का कहना है कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है जिससे न केवल इस सांस्कृतिक विरासत को क्षरित होने से रोका जा सकेगा बल्कि भारतीय पुरातत्व सर्वे के द्वारा इसके संरक्षण में भी तेजी लाकर त्वरित संरक्षण किये जाने का पुन अनुरोध किया जाएगा एवं चूंकि अब उक्त प्रागण पूर्ण रूप से अतिक्रमण मुक्त हो चुका है अतः इसको संरक्षित रख रखाव एवं जीर्णोद्धार किये जाने में कोई विलब नही होना चाहिए। इतिहासकारों एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध नागरिक समूहों शिक्षाविदों एवं दार्शनिकों ने इस दूरगामी पहल की सराहना की एवं जिला मजिस्ट्रेट, जिला प्रशासन एवं मोहम्मद हैदर को धन्यवाद ज्ञापित किया।

बिहार की तर्ज पर महाराष्ट्र में भी होनी चाहिए जाति जनगणना : छगन भुजबल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की महायुति सरकार में कैबिनेट मंत्री और राज्य के बड़े ओबीसी नेता छगन भुजबल ने जाति जनगणना की मांग की है।

छगन भुजबल ने एक इंटरव्यू में कहा है कि केंद्र सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को 10 फीसदी स्वतंत्र आरक्षण देकर 50 फीसदी की सीमा पार कर ली है। ऐसे में केंद्र सरकार मराठा आरक्षण का भी समाधान कर सकती है। उन्होंने कहा कि मराठा आरक्षण का फैसला पूरी तरह से केंद्र सरकार के हाथ में है। छगन भुजबल एनपीसी के नेता हैं और वे वर्तमान में अजित पवार के वाले खेमे में हैं। पिछले दिनों उन्होंने यह कहकर सनसनी फैला दी थी कि एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने ही उन्हें दिल्ली सरकार महाराष्ट्र सरकार में सामने होने के लिए कहा था। भुजबल ने यह भी कहा था कि उन्होंने ज्यादा से ज्यादा मंत्री पद लेने की सलाह दी थी।

दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया मोनू मानेसर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा से मोनू मानेसर की मंगलवार को गिरफ्तारी की गई थी, जिसके बाद उसे कोर्ट में पेश कर राजस्थान पुलिस को सौंप दिया गया था। जुनैद-नासिर हत्याकांड को लेकर राजस्थान पुलिस मोनू मानेसर को लेकर गई थी। सुरक्षा कारणों की वजह से उसे भरतपुर के मथुरा गेट थाने में रखा गया, जहां डीग थाने की पुलिस मोनू मानेसर से पूछताछ में जुटी हुई है, राजस्थान पुलिस ने मोनू मानेसर को 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है, पूछताछ के दौरान मोनू मानेसर ने बड़ा खुलासा किया है।

मोनू मानेसर के कहना है कि इसके बाद उसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर जुनैद और नासिर को उठाने की पूरी प्लानिंग रची। घटना से 2-3 दिन पहले ही वो राजस्थान सीमा के पास सारी स्थितियां जांचकर गए थे. इसके बाद 14-15 फरवरी की रात को जुनैद और नासिर को उठा लिया गया। इस दौरान अपहरणकर्त्ताओं ने देखा कि उनकी बोलेरो में कोई गाय नहीं है। जिसकी सूचना मोनू मानेसर को दी गई। इसके बाद जुनैद और नासिर को जमकर पीटा गया। मोनू मानेसर ने बताया कि जुनैद और नासिर को फिरोजपुर झिरका थाने ले जाया गया। जहां पुलिस ने उन दोनों को लेने से मना कर दिया। जिसके बाद उन्हें जगंल में गाड़ी के साथ जला दिया गया।

किया खुलासा- जुनैद-नासिर को मारने की पहले से की थी प्लानिंग

मोनू मानेसर ने पूछताछ के दौरान बताया कि जुनैद और नासिर को सबक सिखाने के लिए 8 दिन पहले ही गैंग ने पूरी प्लानिंग कर ली थी। 14-15 फरवरी को अपहरण करने और अगली सुबह जलाकर मारने की पूरी साजिश पहले ही तैयार हो चुकी थी। यहां तक की ये भी पहले ही तय हो चुका था कि जुनैद और नासिर को कब और कहां से उठाना है। मोनू मानेसर का कहना है कि इस पूरी वारदात में शामिल एक अन्य अभियुक्त ने उसे जुनैद और नासिर की गाड़ी का नंबर और अन्य नंबर भी शेयर किया था।

दिग्गजों को पछाड़कर दूसरे नंबर पर पहुंचे गिल

» शीर्ष 10 में शामिल भारतीयों में सबसे ऊंची रैंकिंग

» आईसीसी रैंकिंग में कोहली आठ और रोहित नौंवे नंबर पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बल्लेबाजों की आईसीसी पुरुष वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल ने करियर का सर्वश्रेष्ठ दूसरा स्थान हासिल किया। जिससे वह शीर्ष 10 में शामिल तीन भारतीय खिलाड़ियों में सबसे ऊंची रैंकिंग पर काबिज हैं। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने जारी बल्लेबाजों की आईसीसी पुरुष वनडे रैंकिंग में करियर का सर्वश्रेष्ठ दूसरा स्थान हासिल किया जिससे वह शीर्ष 10 में शामिल तीन भारतीय खिलाड़ियों में सबसे ऊंची रैंकिंग पर काबिज हैं।

शीर्ष 10 में दो अन्य भारतीय कप्तान रोहित शर्मा (नौवीं रैंकिंग) और विराट कोहली (आठवीं रैंकिंग) हैं। जनवरी 2019 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब तीन भारतीय बल्लेबाज वनडे रैंकिंग में शीर्ष 10 सूची में शामिल थे।

रोहित, कोहली और शिखर धवन चार साल पहले शीर्ष 10 पर काबिज तीन बल्लेबाज थे। गिल ने एशिया कप मैच में पाकिस्तान के खिलाफ कप्तान रोहित शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी निभायी थी और 58 रन की पारी खेली थी। उन्हें एक स्थान का फायदा हुआ जबकि रोहित और विराट कोहली ने दो दो पायदान की छलांग लगायी।

कुलदीप यादव टॉप-7 में

न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट गेंदबाजों की सूची में संयुक्त दूसरे स्थान पर चल रहे हैं जबकि आस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम जम्पा पहली बार शीर्ष पांच में जगह बनाने में सफल रहे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे मैच में चार विकेट झटके थे। भारत के बायें हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को भी एशिया कप के दो मैचों में नौ विकेट की बदौलत पांच पायदान का लाभ मिला है जिससे वह सातवें स्थान पर पहुंच गये हैं।

बाबर आजम शीर्ष पर

कप्तान बाबर आजम शीर्ष पर है और वह गिल पर 100 से ज्यादा रेटिंग अंक की बढ़त बनाये हैं जबकि इमाम उल हक और फखर जमां क्रमश- पांचवें और 10वें स्थान पर बने हुए हैं। इस ताजा रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका-आस्ट्रेलिया श्रृंखला के तीन मैच और इंग्लैंड-न्यूजीलैंड श्रृंखला के दो मैच के प्रदर्शन को भी शामिल किया है। दक्षिण अफ्रीका के तेम्बा बावुमा अपने पिछले आठ वनडे में तीन शतक और दो अर्धशतक जड़ने के बाद शीर्ष 10 स्थान के करीब हैं। 21 पायदान की छलांग से वह 11वें स्थान पर है जबकि इससे पहले उनकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 25वां स्थान थी।

मॉक ड्रिल : विधान भवन की छत पर हेलीकॉप्टर से उतरे कमांडो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी पुलिस और एनएसजी के जवानों ने दिखाया कि वो किसी भी आतंकी हमले को बेअसर करने और आतंकियों को धूल चटाने के लिए तैयार हैं। बृहस्पतिवार को लखनऊ के विधानभवन में की गई मॉक ड्रिल में आतंकी हमले की सूचना पर पल भर में ही कमांडो पहुंचे और विधान भवन के ऊपर हेलीकॉप्टर से उतरे।

उन्होंने कुछ ही मिनट में अपनी पोजिशन लेते हुए हालात को पूरी तरह नियंत्रण में ले लिया। इस दौरान हेलीकॉप्टर से उतरते जवानों को देखकर लोग रुक गए और वीडियो बनाने लगे। इसके पहले बुधवार को भी लखनऊ में ऑपरेशन फाइव के तहत शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर मॉक ड्रिल की गई थी। अचानक से शुरू हुई मॉक ड्रिल से लोग थोड़ा घबरा गए। हालांकि, कमिश्नरेट पुलिस ने बाकायदा एक अपील जारी कर ड्रिल के बारे में सभी को जानकारी दी थी जिससे कि दहशत की स्थिति न बने।

फोटो: सुमित कुमार

संसद सत्र के एजेंडे में कुछ भी नहीं : जयराम रमेश

» कांग्रेस ने मोदी सरकार को घेरा, 18 सितंबर से शुरू होगा संसद का सत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सरकार ने हाल ही में संसद के विशेष सत्र का एजेंडा जारी किया। इस पर कांग्रेस ने भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार ने जो एजेंडा जारी किया है, उसमें कुछ भी नहीं है। हालांकि, कांग्रेस ने आशंका जताई कि सरकार आखिरी समय में छोड़े जाने के लिए अपने विधायी हथगोलों को छिपा रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि आखिरकार सोनिया गांधी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे गए पत्र के दबाव के बाद सरकार ने पांच दिवसीय विशेष सत्र के एजेंडे की घोषणा कर दी है।

फिलहाल जो एजेंडा सामने आया है, उसमें कुछ भी नहीं है। इन सबके लिए नवंबर में शीतकालीन सत्र तक इंतजार किया जा सकता था। जयराम रमेश ने कहा कि मुझे यकीन है कि सरकार हमेशा की तरह विधायी हथगोले आखिरी क्षण में छोड़ने के लिए तैयार है। परदे के पीछे कुछ और है! इसके बावजूद इंडिया गठबंधन की पार्टियां घातक सीईसी विधेयक का डटकर विरोध करेंगी।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सत्र के अब तक घोषित एजेंडे में सोनिया गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में उठाए गए सार्वजनिक मुद्दों पर बात नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि अहम मुद्दों की बजाय सिर्फ हेडलाइन प्रबंधन को चुना गया है। इस एजेंडे को देखकर 140 करोड़ भारतीय बेहद निराश हैं। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने भी एजेंडे को लेकर सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा भारत के सामने सबसे गंभीर मुद्दों को उजागर करने के बावजूद सरकार चुप रहना चाहती है। उन्होंने कहा कि मणिपुर कहां है? बेरोजगारी? हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदा? महाराष्ट्र में सूखा? मुद्रास्फीति? आदि मुद्दों पर बात होनी चाहिए। टीएमसी प्रवक्ता डेरेक ओब्रायन ने कहा कि सरकार ने संसद विशेष सत्र के लिए एक एजेंडा पेश किया है। हालांकि, एजेंडे में एक चेतावनी है इसे संपूर्ण नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने पूछा कि क्या यह गंदी चालें नहीं हैं? ओब्रायन ने कहा कि विशेष संसद सत्र शुरू होने में दो कार्य दिवस शेष हैं और अभी भी एजेंडे पर एक शब्द भी नहीं है।

सार्वजनिक मुद्दों पर ध्यान नहीं

भाजपा ने सांसदों को जारी किया व्हिप

नई दिल्ली। भाजपा ने सभी लोकसभा सदस्यों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया है और उनसे 18 सितंबर से शुरू होने वाले विशेष संसद सत्र के सभी पांच दिनों में संसद में उपस्थित रहने को कहा है। व्हिप ने कहा गया है कि कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यों को चर्चा और पारित करने के लिए लिया जाएगा। लोकसभा में सभी भाजपा सदस्यों को सूचित किया जाता है कि सोमवार, 18 सितंबर से शुक्रवार, 22 सितंबर 2023 तक लोकसभा में कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण विधायी व्यवसाय चर्चा और पारित करने के लिए उठाए जाएंगे। लोकसभा में भाजपा के सभी सदस्य से इसलिए अनुरोध है कि सभी पांच दिनों यानी सोमवार, 18 सितंबर से शुक्रवार, 22 सितंबर 2023 तक सदन में सकारात्मक रूप से उपस्थित रहें और सरकार के रुख का समर्थन करें।

चार विधेयक रखे जाएंगे

विशेष संसद सत्र की अटकलों के बीच, जिसके एजेंडे को गुप्त रखा गया था, व्हिप सरकार द्वारा संसद की 75 वर्षों की यात्रा पर एक विशेष चर्चा सूचीबद्ध करने के एक दिन बाद आया है। सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त ों की नियुक्ति पर विधेयक को भी विचार और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है। यह बिल पिछले मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में पेश किया गया था। लोकसभा के लिए अन्य सूचीबद्ध कार्यों में द एडवोकेट्स (संशोधन) बिल, 2023 और द प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स बिल, 2023 शामिल हैं, जो पहले ही 3 अगस्त 2023 को राज्यसभा द्वारा पारित किए जा चुके हैं। द पोस्ट ऑफिस बिल, 2023 को भी लोकसभा की कार्यवाही में सूचीबद्ध किया गया है।

बिहार की बागमती में नाव डूबी, 10 लापता

» 30 स्कूली बच्चे थे सवार, स्थानीय लोगों ने 20 को बचाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुजफ्फरपुर में गुरुवार को बागमती नदी में बड़ा हादसा हो गया है। स्कूली बच्चों से भरी एक नाव नदी में डूब गई। हादसा सुबह साढ़े 9 बजे गायघाट थाना क्षेत्र के बेनीबाद में हुआ है। नाव में 30 से ज्यादा बच्चे सवार थे। अब तक 20 बच्चों को बाहर निकाल लिया गया। 10 बच्चे अब भी गायब हैं।

स्कूल नदी के उस पार है। बच्चे रोज की तरह नाव से स्कूल जा रहे थे। तभी नदी का बहाव तेज होने के चलते नाव पलट गई। गायघाट और बेनीबाद पुलिस के साथ एनडीआाएफ व एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच चुकी है। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा है। उधर, मुजफ्फरपुर में ही एसकेएमसीएच में नवनिर्मित पीकू वार्ड का उद्घाटन करने पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि डीएम और अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। जो भी हताहत होगा सरकार उसके परिवार की मदद करेगी। एसडीओ पूर्वी अमित कुमार ने बताया कि हमारा मेन फोकस बच्चों को सुरक्षित निकालने पर है। कितने लोग डूबे हैं उसका अभी कोई क्लियर आंकड़ा नहीं है।

कई सालों से हो रही थी पुल की मांग

बताया जा रहा है कि जिस जगह ये हादसा हुआ है वहां के लोग कई सालों से पुल की मांग कर रहे हैं। शॉर्टकट के चक्कर में लोग नाव का इस्तेमाल करते हैं। बच्चे भी शॉर्टकट के चक्कर में ही नाव से ही स्कूल आना-जाना करते हैं।

अस्पताल के बाहर फटा ऑक्सीजन सिलेंडर कर्मचारियों के उड़े चिथड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में बालागंज चौराहे के पास एक अस्पताल के बाहर ऑक्सीजन सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया। सिलेंडर सप्लाई करने वाले दो कर्मचारी इसकी चपेट में आ गए। उनके हाथ पैर के चिथड़े उड़ गए। एक के सिर का हिस्सा भी उड़ गया।

पुलिस ने राहगीरों की मदद से दोनों को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया। हालत बेहद नाजुक है। हादसा देख आसपास इलाके में दहशत फैल गई। फरीदीपुर निवासी संजय का ऑक्सीजन प्लांट है। उनके मुताबिक जेपीएस अस्पताल में सिलेंडर की सप्लाई करने के लिए उनके कर्मचारी शोभित और आरिफ डाला लेकर गए थे। अस्पताल के बाहर डाला खड़ा करने के बाद जैसे ही दोनों ने पीछे जाकर सिलेंडर उठाने का प्रयास किया वैसे ही एक सिलेंडर में धमाका हो गया। आरिफ और शोभित उछल कर दूर जा गिरे। हाथ पैर और शरीर के कई हिस्सों के चिथड़े हो गए।

मप्र में कई परियोजनाओं का पीएम मोदी ने किया शिलान्यास, बोले-

विपक्ष भारत की संस्कृति पर हमला कर रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीना। पीएम नरेंद्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन पर भारत की संस्कृति पर हमला करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इनकी नीति है भारतीयों की आस्था पर हमला करो। ये घमंडिया गढबंधन की नीयत है कि भारत को जिन विचारों, संस्कारों, परंपराओं ने हजारों सालों से जोड़ा है, उसे तबाह कर दो.

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, जिस सनातन से प्रेरित होकर देवी अहिल्या बाई होलकर ने देश के कोने कोने में सामाजिक कार्य किए, नारी उत्थान के कार्य किए, ये घमंडिया गठबंधन उस सनातन को, संस्कारों को समाप्त करने का संकल्प लेकर आए हैं. ये सनातन की ताकत थी कि झांसी की रानी अंग्रेजों को यह कहकर ललकार पाई कि मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार (14 सितंबर) को मध्य प्रदेश के बीना में 50,700 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं के रिमोट का बटन दबाकर शिलान्यास किया. इस दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने सनातन धर्म विवाद को लेकर विपक्षी गठबंधन इंडिया पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया सनातन धर्म को खंड-खंड करना चाहता है, पीएम मोदी ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने और देश के विकास समेत भारत में सफल जी20 सम्मेलन का भी जिक्र किया। जी20 के सफल आयोजन को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से पूछा कि इस पर उन्हें हुआ या नहीं और नारे भी लगवाए, उन्होंने लोगों से पूछा,जी20 की सफलता का श्रेय किसको जाता है? ये किसने कर दिखाया?

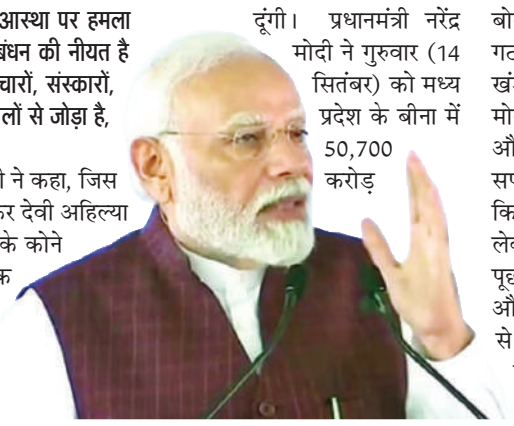

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।